चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 140 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
13 नवंबर 2024 बुधवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
21 न्यूनतम

Page-7

निवेशकों को 5 लाख करोड़ का फटका, फिर फिसला बाजार

मुंबई, एजेंसी। शेयर बाजार की चाल इन दिनों बदली-बदली नजर आ रही है, जिसने निवेशकों को बेचैन कर रखा है। अक्सर ग्रीन जोन में शुरुआत करने के बाद अचानक ही सेंसेक्स-निफ्टी बुरी तरह भरभराकर टूट रहे हैं। कल भी यही हुआ और बाद में सेंसेक्स 820 अंक फिसलकर, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 257 अंक की बड़ी गिरावट लेकर बंद हुआ। इसके चलते आज निवेशक परेशान थे ही और बाजार ने गिरावट के साथ निशान पर कारोबार की शुरुआत की।सेंसेक्स 500 अंक और निफ्टी 170 अंक टूटा। इसके चलते अंबानी व अडानी की कंपनियों के शेयर भी बुरी तरह टूटने लगे । सुस्त ग्लोबल संकेतों के बीच सेंसेक्स-निफ्टी लाल निशान पर ओपन हुए थे । कल के उतार के चलते निवेशकों के करीब 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा स्वाहा हो गए थे। बुधवार को निफ्टी ने भी धीमी शुरुआत की एशियाई बाजारों में सुस्ती का असर शेयर बाजार की सुस्त शुरुआत के संकेत पहले ही मिल रहे थे, क्योंकि ग्लोबल मार्केट में भी तेजी नजर नहीं आई। एशियाई बाजारों पर नजर डालें, तो गिफ्ट निफ्टी लाल निशान में दिख रहा था। इसके अलावा जापान का निक्केई करीब एक फीसदी की गिरावट में, तो हांगकांग का हांगसंग भी एक फीसदी की गिरावट पर दिखा है।

उपचुनाव का तनाव... विजयपुर में दोनों उम्मीदवार नजरबंद, बुधनी में उत्साह

नई दिल्ली/भोपाल,दोपहर मेट्रो/एजेंसी। आज मप्र की दो समेत देश के 10 राज्यों में 31 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का दौर है। इसमें केरल के वायनाड की लोकसभा सीट भी शामिल है। राजनीतिक रूप से वायनाड का चुनाव काफी अहम है, जहां से कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पहली बार चुनावी मैदान में उतरी हैं। जबकि 31 सीटों पर हो रहे उपचुनाव को भाजपा और कांग्रेस के लिए एक बड़ी अग्निपरीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। उधर झारखंड राज्य के विधानसभा चुनाव में पहले चरण में आज 43 सीटों पर मतदान हो रहा है। जबकि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले मतदान के लिये प्रचार चरम पर है।

मप्र की विजयपुर सीट पर उपचुनाव को लेकर काफी गहमागहमी है। यहां वन पर्यावरण मंत्री रामनिवास रावत का राजनीतिक भविष्य दांव पर है क्योंकि वे कांग्रेस विधायक बतौर इस्तीफा देकर भाजपा के टिकट पर हैं। जातिगत समीकरणों में बंटे इस उपचुनाव में आदिवासी मतदाता ही निर्णायक भूमिका में हैं। यहां का चुनाव आदिवासी बनाम ओबीसी में तब्दील हो गया है। लेकिन दो दिन पहले आदिवासी बहुल क्षेत्रों में गोलीचालन के बाद चुनाव व सियासी तनाव चरम पर है। आज सबसे पहले पुलिस ने एहतियातन कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा को नजरबंद किया। इसके बाद पुलिस ने भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत को भी नजरबंद कर दिया गया। रावत को एसडीओपी कार्यालय में रखा गया है। दरअसल विजयपुर क्षेत्र में उपचुनाव के मतदान से पहले फायरिंग की घटनाएं हुई हैं। इधर आज कांग्रेस प्रत्याशी के नजरबंद होने के बाद कांग्रेसियों ने भाजपा प्रत्याशी को नजरबंद करने की मांग की थी। इससे पहले रावत ने अपने गांव सुनवई में मतदान किया। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा ने पुलिस कस्टडी में अपने गांव के मतदान केंद्र पर वोट डाला। पुलिस ने अभी की नजरबंदी पर कोई अधिकृत बयान नहीं दिया है। लेकिन क्षेत्र में बढ़ रहे तनाव को देखते हुए यह निर्णय लिया है। हालांकि तनाव का असर मतदान पर शुरुआत में दिखा,जब सुबह मतदान बूथों पर मतदाता कम नजर आए, लेकिन दिन बढ़ने के साथ मतदाता घर से निकलने लगे।

विजयपुर में झड़पें, गिरफ्तारियां

वहीं विजयपुर के अंधूपुरा पोलिंग बूथ कुछ मतदाताओं ने शिकायत की कि उन्हें वोट नहीं डालने दिया। भाजपा प्रत्याशी रावत के गृह गांव सुनवई में सुरक्षा कर्मियों और ग्रामीणों के बीच झड़प हो गई। पोलिंग बूथ पर कुछ युवक घुसकर जबरन वोट डालने का प्रयास कर रहे थे। इन्हें रोकने का प्रयास सुरक्षा कर्मियों ने किया। इससे गांव में तनाव पैदा हो गया। विजयपुर में दबंगों द्वारा आदिवासी व जाटव समाज के मतदाताओं को पोलिंग बूथों तक पहुंचने से रोकने की भी खबरे हैं। यहां तक कि वीरपुर में जाटव व रावत समाज के लोगों के बीच में लाठी चलीं और पथराव भी हुआ है। इसे लेकर आदिवासी व जाटव समाज के वोटरों ने वीरपुर में हंगामा भी किया। उधर आज पुलिस ने 15 कांग्रेसी नेताओं को गिरफ्तार भी किया। इनकी गिरफ्तारी आचार संहिता का उललंघन करने के मामले में की गई। दरअसल धनाचया गांव की आदिवासी बस्ती में वोटिंग के एक दिन आदिवासी परिवारों को धमकाने और गोली चलाने का मामला सामने आने के बाद भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ कांग्रेस के नेता कलेक्ट्रेट पर धरने पर बैठ गए थे।

हाईवोल्टेज सियासत: विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के मतदान से ठीक पहले फायरिंग की घटना पर अब सियासत भी जारी है। इस मामले में राजस्थान के हिस्ट्री शीटर डकैत का नाम सामने आ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा पर निशाना साधा व आरोप लगाया है कि भाजपा डकैतों का सहारा लेकर मतदाताओं को डराना चाहती है। उधर भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि विजयपुर में कांग्रेस को हार का आभास है। लिाजा उसके नेता नए हथकंडे अपना रहे हैं। विजयपुर में सहरिया समाज के लोगों के साथ हुई घटना को कांग्रेस ने वोटों को प्रभावित करने के लिए षड्यंत्रपूर्वक कराई है।

बुधनी में शिवराज ने वोट डाला

सीहोर जिले के बुधनी विधानसभा उपचुनाव में वोटिंग जारी है और दोपहर तक तेजी से करीब 40 फीसदी मत पड़े हैं। मतदान से पहले सभी बूथों पर मॉक पोल हुआ। क्षेत्र में कुल 363 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, । सुबह 9 बजे तक 17 प्रतिशतमतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके थे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गृहग्राम जैत में पहुंचकर मतदान किया। यहां रमाकांत भार्गव व राजकुमार पटेल में मुकाबला है।

किस राज्य की कितनी सीटों पर उपचुनाव

राजस्थान की सात, पश्चिम बंगाल की छह, असम की पांच, बिहार की चार, कर्नाटक की तीन, मध्य प्रदेश की दो और छत्तीसगढ़, गुजरात, केरल और मेघालय की एक-एक सीट पर आज उपचुनाव के तहत मतदान होगा. वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। खास बात यह है कि बिहार उपचनाव में पहली बार चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने भी जनसुराज पार्टी के तहत उम्मीदवार उतारे हैं।

प्रियंका के सामने 13 उम्मीदवार

प्रियंका गांधी के लिए वायनाड इस बार बड़ी परीक्षा के तौर पर सामने है। इस सीट से एलडीएफ के सत्यन मोकेरी, एनडीए की नव्या हरिदास और 13 अन्य उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं. ऐसे में प्रियंका के सामने पार्टी के गढ़ को बचाए रखने के अलावा पिछले दो चुनावों में भाई राहुल गांधी की जीत के बाद इस अंतर को बढ़ाने की भी चुनौती है। इस साल राहुल की जीत का अंतर 3.5 लाख वोटों से अधिक था, जबकि 2019 में यह 4.3 लाख वोटों से ज्यादा था।

ठाकरे बोले- मुझे नकली संतान कहा, मैं मोदी के साथ क्यों जाऊं

मुंबई। शिवसेना यूटी के चीफ उद्धव का कहना है कि महाराष्ट्र में उनके गठबंधन में जिसे ज्यादा सीटें मिलेंगी वही सीएम बनेगा, ऐसा कोई फॉर्मूला नहीं है लेकिन पीएम मोदी को दिक्कत क्या है कि हमारा सीएम के लिए चेहरा कौन है? एक न्यूज चैनल से बातचीत में ठाकरे ने कहा कि बीजेपी ने सबसे पहले 2014 में मेरा साथ छोड़ा था, उस वक्त भी मैं हिन्दू ही था। तब मोदी मुझे कहते थे, नकली संतान। तब अलायंस उन्होंने तोड़ा था मैंने नहीं तोड़ा। फिर 2019 में उन्होंने मुझे फंसाया, तो मैं बीजेपी के साथ क्यों जाऊं? उन्होंने मेरी पार्टी तोड़ी, उसे खत्म करने की कोशिश की मेरे परिवार को बदनाम कर रहे हैं और यहां तक कि मेरे बेटे को बदनाम किया। मुझे नकली संतान कहा गया, ये मेरे पिता और माता का अपमान है और ये अपमान मोदी ने किया है। ठाकरे ने कहा कि मोदी की बातों पर आगे बात नहीं करना चाहता हूं क्योंकि उन्हें तो भगवान ने भेजा है।

सख्त सुप्रीम टिप्पणी: आरोपी या दोषी का घर भी नहीं गिराया जा सकता..

नईदिल्ली . एजेंसी

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने आज सख्त टिप्पणी करते हुए साफ कहा कि आरोपी या दोषी का भी घर नहीं गिराया जा सकता है, यह किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। अदालत ने अपने फैसले की शुरुआत में कहा- अपना घर हो, अपना आंगन हो, इस ख्वाब में हर कोई जीता है. इंसान के दिल की ये चाहत है कि एक घर का सपना कभी न छूटे। सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा कि इस मामले में मनमाना रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बगैर सुनवाई आरोपी को दोषी नहीं करार नहीं दिया जा सकता है। जस्टिस गवई ने फैसला सुनाते हुए कहा, अपना घर पाने की चाहत हर दिल में होती है. हिंदी के मशहूर कवि प्रदीप ने इसे इस तरह से कहा है। क्या कार्यपालिका को किसी आरोपी व्यक्ति के परिवार की सुरक्षा छीनने की अनुमति दी जा सकती है?

फैसले की खास बातें: बुलडोजर एक्शन सामूहिक दंड देने के जैसा है, जिसकी संविधान में अनुमति नहीं। कानून का शासन मनमाने विवेक की अनुमति नहीं देता, चुनिंदा डिमोलेशन से सत्ता के दुरुपयोग का सवाल उठता है। आरोपी और यहां तक कि दोषियों को भी आपराधिक कानून में सुरक्षा है। अधिकारियों को इस तरह के मनमाने तरीके से काम करने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। देखा जाए कि अनधिकृत निर्माण समझौता योग्य हो सकता है या घर का केवल कुछ हिस्सा ही गिराया जा सकता है। नोटिस में बुलडोजर चलाने का कारण, सुनवाई की तारीख बतायें व व्यक्तिगत सुनवाई तारीख दें। अगर अवैध तरीके से इमारत गिराई गई है, तो अधिकारियों पर अवमानना की कार्रवाई की जाएगी और उन्हें हर्जाना देना होगा।

चुनिंदा डिमोलेशन सत्ता का दुरूपयोग, अफसरों से वसूलेंगे जुर्माना

सीएम ने भेड़िए से सामना करने वाली भुजलो से बात की

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने छिंदवाड़ा जिले के खकराचौरई गांव में भेड़िए का साहस से सामना करने वाली भुजलो बाई से फोन पर बात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी, और भुजलो बाई के साहस के प्रोत्साहन स्वरूप उन्हें एक लाख स्वीकृत किए।

अभिनेत्री अक्षरा से मांगी 50 लाख की रंगदारी

पटना, एजेंसी। भोजपुरी सुपरस्टार और अभिनेत्री अक्षरा सिंह से 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई है। रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी मिली है। अपराधी ने दो बार फोन करके यह रंगदारी मांगी। इसके बाद अक्षरा सिंह की ओर से पटना के दानापुर थाना में लिखित शिकायत दी है। दानापुर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने कहा किकि अक्षरा सिंह की ओर से शिकायत मिली है। इसकी जांच की जा रही है। जांच के बाद सत्यापन होने पर प्राथमिकी और आगे अनुसंधान की कार्रवाई की जाएगी। क्षरा सिंह की ओर से बताया कि 11 नवंबर को देर रात अज्ञात नंबर से उनके मोबाइल पर कॉल आया है।

मेट्रो एंकर मप्र में बाघ प्रबंधन पर भी जोर देने और चीता कॉरिडोर पर तेजी से काम करने के निर्देश

हाथियों की मौत से डीजी फॉरेस्ट नाराज पूछा- वजह कोई भी हो इतने हाथी मरे ही क्यों?

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के डीजी फॉरेस्ट जितेंद्र कुमार दो दिनी प्रवास पर मप्र के वन अधिकारियों को कई नसीहतें दे रहे हैं। मौत की जो थ्योरी वन अफसरों ने बताई उसे उन्होंने पूरी तरह मानने से भी इंकार किया है। उन्होंने वन विभाग से जुड़े अधिकारियों की बैठक में सबसे अधिक सवाल बांधवगढ़ में 11 हाथियों की मौत पर किये। उन्होंने यह भी कहा कि वजह जो भी हो आखिरकार इतने हाथियों की मौत अपने–आप में गंभीर घटना है। इससे भागा नहीं जा सकता। यह किसी न किसी स्तर पर हुई लापरवाही का नतीजा है। इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी और देखना होगा कि किस स्तर पर यह गलती हुई है। उन्होंने कोदो की थ्योरी पर भी मप्र के वन अधिकारियों को आड़े हाथों लिया और जमकर फटकार भी लगाई। जानकार सूत्र बताते हैं कि डीजी फॉरेस्ट जितेंद्र कुमार ने चीता परियोजना की प्रगति को भी

देखा और मप्र, राजस्थान के बीच प्रस्तावित चीता कॉरिडोर को लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी ली। सूत्रों के मुताबिक बाघों की बढ़ती मौतों को लेकर चिंता जाहिर की तो बाघ प्रबंधन पर मप्र की तारीफ की है, क्योंकि मप्र टाइगर स्टेट है। डीजी फॉरेस्ट आज आईआईएफएम की वार्षिक बैठक में हिस्सा ले रहे हैं तथा वहां भी अफसरों से कई विषयों पर बात करेंगे। इसके अलावा राज्य सरकार के कई बड़े अधिकारियों से बाघ, चीता और हाथी प्रबंधन पर चर्चाएं भी संभावित है।

कई स्तरों पर जारी है पूछताछ

हाथियों की मौत को लेकर वन विभाग ने कई स्तरों पर जांच की है लेकिन इतने सारे हाथियों की मौत के बाद वह ठोस या समाधानकारक जवाब अब तक नहीं दे पा रहा है। जानकर सूत्रों का कहना है कि इस मामले में मप्र सरकार से केंद्र के स्तर पर भी कई बार पूछताछ हो चुकी है क्योंकि कई देशों ने इन मौतों की वजहों को लेकर केंद्र सरकार व पीएमओ से जानकारी चाही थी। दुनिया में कई देश हाथी पालन में अव्वल हैं और उनका कई कामों में उपयोग भी करते हैं।

राजधानी में टाई महीने से और बद से बदतर हो गई पार्किंग समस्या

बिना मशीन-पर्ची की पार्किंग, वाहनों को नहीं मिल रही जगह व नगर निगम को नहीं मिल रहे ठेकेदार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में वाहनों की पार्किंग व्यवस्था को लेकर गतिरोध, विवाद और जबरिया वसूली जैसे कई दौर साथ चल रहे हैं। अभी वाहनचालक यह भी नहीं समझ पा रहे हैं कि कौन सी जगह वैध पार्किंग स्थल और कौन से अवैध।

आलम यह है कि बिना पर्ची लगाए कुछ कथित पार्किंग कर्मचारी वाहनों से रूपये वसूल रहे हैं।कुछ वक्त पहले सभी पार्किंग में पीओएस मशीन से रसीद जारी करने का निर्देश भी दिया गया, परंतु शिकायतें बनी हुई हैं कि बिना रसीद शुल्क वसूली की जा रही है। दरअसल विभिन्न क्षेत्रों में पार्किंग समस्या पर राजनीतिक दबाव भी हावी है। इसके कारण स्थितियां जटिल होती जा रही हैं। हाल ही में नगर निगम द्वारा शहर की 42 पार्किंग स्थल में से सात के लिए टेंडर जारी किए गए थे, लेकिन महज दो पार्किंग के लिए ही ठेकेदारों ने रुचि दिखाई। बताया जाता है कि यह पार्किंग एमपी नगर क्षेत्र में स्थित हैं, जो हमेशा पार्किंग शुल्क आदि को लेकर विवादित क्षेत्र माना जाता है। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि इस बार पार्किंग की सालाना दरें ज्यादा रखी गई थीं, जिससे ठेकेदार टेंडर में शामिल नहीं हुए। नगर निगम ने मुख्य शहर की पार्किंग को ठेके पर देने के लिए हाल में टेंडर खोले, लेकिन केवल दो पार्किंग के लिए ही प्रस्ताव आए। नगर निगम के अपर आयुक्त हर्षित तिवारी ने बताया कि शेष पार्किंग के लिए फिर से टेंडर जारी किए जाएंगे। परिषद की बैठक में मामला उठने के बाद अपर आयुक्त निधि सिंह ने अवैध पार्किंग शुल्क वसूली पर कार्रवाई करते हुए जोन 12 के जोनल अधिकारी मुकेश कैमिया को हटा दिया था। इन सभी के बावजूद हकीकत यह है कि पार्किंग के मामले में

विवाद गतिरोध ढाई महीने से चलने की वजह से वाहन चालकों की फजीहत हो रही है। व्यस्त क्षेत्रों में वाहन ले जाने के बाद लोगों को वाहन पार्क करने में मुश्किल का सामना करना पड रहा है। बिना पर्ची के अनजान लगने वाले लोगों को पैसा देना पड रहा है। एमपी नगर, न्यूमार्केट, हमीदिया रोड, दस नंबर इलाका जैसे क्षेत्रों में समस्या ज्यादा बड़ी है।

मौसम : सुबह-सुबह छाने लगी हल्की धुंध

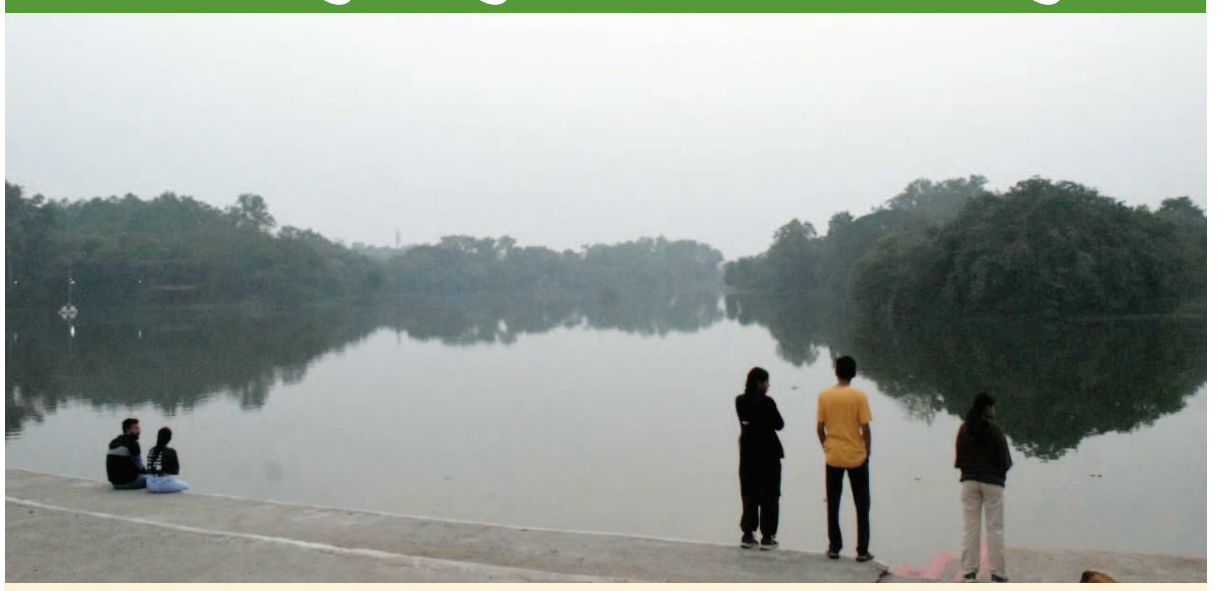

भोपाल, दोपहर मेट्रो. इस बार राजधानी में सर्दी का ट्रेंड बदला हुआ है। आमतौर पर प्रदेश में ग्वालियर की ओर से सर्दी हवाएं आती है और उत्तरी हिस्सा ज्यादा सर्द रहता था, पर इस बार उत्तर के अलावा मध्य और पूर्वी हिस्सों में अब तक ज्यादा ठंडक दिखाई दे रही है। अब सुबह-सुबह हल्की धुंध छाने लगी है।

अद्वैत वेदांत, शंकराचार्य से जुड़े शोध को बढ़ावा देने दोनो संस्थानों के बीच हुआ एमओयू

शंकराचार्य और अद्वैत वेदांत पर साथ आए सांची विवि और आचार्य शंकर एकता न्यास

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय और आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास के बीच उच्चस्तरीय शोध का एमओयू किया गया। साँची विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. वैद्यनाथ लाभ की उपस्थिति में कुलसचिव प्रो अलकेश चतुर्वेदी और शंकर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. मनीष पाण्डे ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। साँची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. लाभ ने इस अवसर पर कहा कि आचार्य शंकर का भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान परम्परा में अतुलनीय योगदान है और सनातन संस्कृति का वाहक होने के नाते इस परम्परा में वो कुछ भी योगदान दे पाते है तो यह विश्व विद्यालय का सौभाग्य होगा। एमओयू के अनुसार शंकराचार्य और अद्वैत वेदान्त के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए साँची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय पीएचडी की तीन अतिरिक्त सीट आचार्य शंकर एकता सांस्कृतिक न्यास को आवंटित करेगा। सुपर न्यूमेरी कोटे की इन सीटों पर आचार्य शंकर एकता न्यास तीन योग्य शोधार्थियों को पीएचडी के लिए नामांकित करेगा एवं विश्वविद्यालय से अनुमति के बाद ये शोधार्थी अद्वैत वेदान्त, आचार्य शंकर और उनकी परम्परा के दूसरे आचार्यों से जुड़े विषयों पर शोध कर सकेंगे। इन तीन सुपरन्यूमेरी सीटों का सामान्य पीएचडी सीटों पर कोई असर नहीं होगा। शंकर न्यास, अद्वैत वेदान्त और आचार्य शंकर पर काम करने वाले मूर्धन्य विद्वानों को शोधार्थियों के शोध समन्वयक के रूप में भी नामांकित करेगा और ये विद्वान सांची विवि की शोध सलाहकार समिति के आमंत्रित सदस्य होंगे। कुलगुरु की अनुमति से शंकर न्यास विख्यात विद्वानों को सांची विश्वविद्यालय की शोध समिति में भी नामांकित कर सकेगा।

जयपुर में बनी हनुमानजी की प्रतिमा स्थापित होगी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

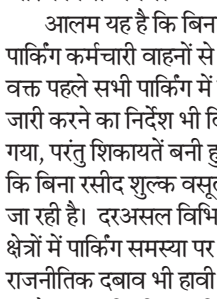

संतनगर की नुक्कड़ माता मंदिर में श्रीराम भक्त हनुमानजी की मूर्ति को जयपुर के कारीगर ने आकार दिया है। मूर्ति प्रतिष्ठा के लिए शीघ्र ही जयपुर से उज्जैन पहुंचेंगी। जहां शिप्रा के जल में संत-महात्माओं द्वारा अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद संतनगर में हनुमानजी की मूर्ति संत-महात्माओं द्वारा शुभ मुहूर्त में स्थापित की जाएगी। आचार्य वेद पुराण प्रवक्ता अनिल रूद्र, उज्जैन महाकाल चैतन्य स्वरूप, आचार्य लालघाटी गुफा मंदिर धाम लेखराज शर्मा के सानिध्य में विधि विधान से पांच दिवसीय यज्ञ के साथ प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

यूएसए की सामाजिक कार्यकर्ता बच्चों के बीच पहुंचीं

जीवन के हर पल को आनंद से जीना चाहिए- आदिति

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सीएचआई-यूएसए की सामाजिक कार्यकर्ता अदिति मल्होत्रा संतनगर प्रवास के दौरान गांधीनगर में चिल्ड्रेन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल गांधीनगर के एक कार्यक्रम में शामिल हुईं। विद्यालय प्रबंधन ने अदिति का सम्मान किया। आदिति ने बच्चों से बात की। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। लक्ष्य के प्रति हमें जितना सजग रहना है, उतना ही जीवन में जीवंतता बनाए रखना जरूरी है, व हमें अपने संस्कारों से जुड़े रहना है। हमारे हर सुख-दुख में ईश्वर की उपस्थिति अनिवार्य होना चाहिए। हमें जीवन के हर पल को पूर्ण आनंद के साथ जीना चाहिए। परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हो उन्हें मुस्कराते हुए स्वीकारना चाहिए। जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी ने अदिति द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों व बालिकाओं की शिक्षा में उनके योगदान को रखा। विद्यालय की प्राचार्या प्रिया जैन शर्मा ने स्वागत शब्द कहे। अदिति ने बच्चों के साथ मंच पर नृत्य किया और पौधारोपण किया गया। विद्यालय परिवार की ओर से उनका सरोपा एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। विद्यार्थियों द्वारा बनी मधुबनी आर्ट की एक कलाकृति भी भेंट की गई। कार्यक्रम का संचालन की शिक्षिका एकता वासवानी ने तथा छात्र परिषद की अध्यक्ष भूमिका जाट ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नवयुवक परिषद के महासचिव थावर वरलानी, संस्था के अकादमिक निदेशक गोपाल गिरधानी विशेष रूप से मौजूद रहे।

संस्कार की पहचान शिक्षा के साथ संस्कार का रोपण: भगवानदास

संस्कार में पुरस्कार वितरण एवं हनुमान चालीसा पाठ

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संस्कार विद्यालय में सत्र 2023-24 में अव्वल रहें विद्यार्थियों का पुरस्कृत किया गया। विधायक भगवानदास सबनानी व संस्था के पदाधिकारियों ने बच्चों को पुरस्कृत करने के साथ एक हजार बच्चों के साथ स्वरबद्ध हनुमान चालीसा का पाठ किया। सबनानी ने कहा कि शायद यह पहला स्कूल है जहां हनुमान चालीसा के पाठ जैसी गतिविधियां शिक्षा प्रारम्भ होने से पहले होती है, जीवन में सफलता केवल शिक्षा से प्राप्त नहीं होती है शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी होना जरूरी है और ये संस्कार देने का काम संस्कार विद्यालय करता है। कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि भगवान राम के प्रिय भक्त हनुमानजी का पाठ प्रत्येक मंगलवार को इस विद्यायल में किया जाता है। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि संस्कार विद्यालय में हनुमान चालीसा का पाठ बड़ी शक्ति देता है और सभी के अन्दर शक्ति का संचरण करता है जो आपको दिखाई नहीं देता है, लेकिन आप इसे महसूस कर सकते है। कार्यक्रम में संस्था के कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, पूर्व मण्डल अध्यक्ष, भोपाल राकेश जैन, मनीष गोपलानी, कमल शेवानी, प्राचार्य आर.के. मिश्रा, कोर्डिनेटर सीमा शर्मा मौजूद रहे।

कायस्थम के अध्यक्ष बने प्रलय

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कायस्थ समाज में वैचारिक गतिशीलता लाने के उद्देश्य से गठित कायस्थम भोपाल की कार्यकारिणी का गठन किया गया है। जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत संयुक्त संचालक एवं लेखक प्रलय श्रीवास्तव को साधारण सभा की बैठक में कायस्थम का अध्यक्ष चुना गया है । इसके साथ ही कायस्थम संस्था की कार्यकारिणी भी घोषित कर दी गई है । सर्वश्री आर.पी. श्रीवास्तव, सुरेश श्रीवास्तव भेल और विनोद श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष, अभय श्रीवास्तव को महासचिव, डॉ.रश्मि सक्सेना को सचिव, मुकुल अस्थाना को कोषाध्यक्ष तथा अजय भटनागर(पत्रकार) को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है । कायस्थम संस्था में 11 कार्यकारिणी सदस्यों की नियुक्ति की गई है, जिनमें प्रसिद्ध भजन गायक श्री रवि खरे, शिक्षाविद् डॉ. रेखा श्रीवास्तव, व्यवसायी श्री अमितेंद्र श्रीवास्तव, पत्रकार सर्वश्री अनुराग श्रीवास्तव,सुधीर निगम ,सुनील श्रीवास्तव, आदित्य श्रीवास्तव तथा आलोक श्रीवास्तव, डॉ . नीता खरे, श्रीमती वंदना खरे, डॉ.प्रियंका श्रीवास्तव शामिल है ।

मेट्रो एंकर संतनगर में भजन कीर्तन करते हुए निकली महिलाएं

देव उठनी ग्यारस पर विश्रामघाट में महिला सत्संग की परंपरा

जीवन में अंतिम पड़ाव है विश्रामघाट- विद्यादेवी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर में देव उठनी ग्यारस के दिन विश्रामघाट में सत्संग की परंपरा है। सत्संग से पहले टेऊंराम आश्रम से महिलाएं भजन-कीर्तन करते हुए संतनगर की परिक्रमा करती हैं, लेकिन इस बार मुख्य मार्ग भगवान झूलेलाल जी के मंदिर में भगवान झूलेलाल व स्वामी शांति प्रकाश महाराज की आरती के पश्चात विश्रामघाट में ही सत्संग स्थल पर भजन भजन-कीर्तन हुआ, यह अनूठी परपंरा करीब चार दशक पुरानी है।

सिंधी समाज की महिलाओं का हर साल देवउठनी ग्यारस पर विश्रामघाट में सत्संग होता है। साल में एक बार सिंधी समाज की महिलाएं विश्रामघाट जाती हैं। वे विश्रामघाट में उस परमात्मा को याद करती हैं, जो संपूर्ण जीव जगत का विधाता है। इस सत्संग की शुरूआत स्वामी टेऊंराम के आदेश पर हुई थी। दादी विद्यादेवी ने सत्संग में कहा कि धरती पर हम सभी मुसाफिर हैं और सभी को एक न एक दिन ईश्वर के घर जाना ही है। श्मशान घाट ईश्वर के घर पहुंचने का एकमात्र द्वार है, जहां सभी महिलाएं साल में एक बार भजन-कीर्तन करने पहुंची हैं।

मन का डर मिटाने सत्संग: टेऊंराम आश्रम के दयाल तोलानी ने बताया कि महिलाओं के मन का डर मिटाने और अंतकाल में क्या होना है, इसका ज्ञान कराने के लिए ही इस

कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। भजन कीर्तन किया। स्वामी शांति प्रकाश चौराहे पर विशेष पूजा अर्चना और आरती गई। मंबई से गद्दीनशीन स्वामी देवप्रकाशजी अरदास और पल्लव किया।

बच्चें भी पहुंचे सत्संग सुनने: विश्राम घाट पहुंची महिलाओं के साथ पुरुषों सहित छोटे बच्चे भी रहते हैं। जीवन को सफल बनाने की कामना लेकर सत्संग में पहुंचने वाली महिलाएं श्मशान के हर उस कोने को देखती हैं, जहां वे आने में कतराती हैं। महिलाएं सत्संग के दौरान भगवान के भजन में रंग भी दिखाई देती हैं। महिलाओं का कहना है कि साल में एक बार होने वाले सत्संग में आकर उन्हें जरा भी डर नहीं लगता। इसीलिए वे बच्चों को भी साथ लाकर भजन-कीर्तन में हिस्सा लेती हैं। उनका कहना था कि कई सालों से यहां भजन-कीर्तन कर रहे हैं। श्मशान में पहुंचकर उन्हें काफी शांति मिलती है।

यह रहे मौजूद: इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी, महासचिव नंदलाल दादलानी, मदन साधवानी, मुरली वासवानी, दयाल गोकलानी , दिलीप खुशलानी, नीलेश गंगवानी, अनिल सदारंगानी मौजूद थे।

सडकों का निर्माण मेरी ड्यूटी है: हिंगोरानी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

वार्ड 4 के एच 5 और 3 के बीच की सड़कों के निर्माण के लिए भूमिपूजन किया गया। सड़कों का निर्माण 5 लाख 50 हजार की लागत से किया जाएगा। वार्ड पार्षद राजेश हिंगोरानी ने कहा कि वार्ड की हर गली और सड़क का निर्माण मेरी ड्यूटी है। पंडित जय शर्मा ने वेद मंत्रों के बीच विकास कार्य की शुरूआत करवाई। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष रमेश जनयानी, वासुदेव वाधवानी, संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी, नरेंद्र लालवाणी, भाजपा उपाध्यक्ष महेश खटवानी, शिक्षाविद विमला हिंगोरानी मौजूद रहीं।

आईएएस अफसरों से सरकार के अनुराग का नया चित्र तैयार

बड़ा प्रशासनिक बदलाव नये संकेतों व संदेशों का जरिया बना

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र की यादव सरकार ने आईएएस अफसरों वाला जो बड़ा फेरबदल किया है, वह नवागत मुख्यसचिव अनुराग जैन के नजरिए का भी पहला उदाहरण माना जा रहा है। जैन के पद संभालने के करीब चालीस दिन बाद हुए इस फेरबदल में आने वाले प्रशासनिक समय की आहट भी है। खास बात यह है कि मुख्यमंत्री कार्यालय में जो प्रयोग किया गया था उसका आकार अब कम हो गया है। यहां से प्रमुख सचिव स्तर के दो अधिकारियों संजय शुक्ला व राघवेंद्र सिंह को बाहर भेजकर उन्हें स्वतंत्र रूप से विभागों की जिम्मेदारी दी गई है। ऐसे में सीएम के अपर मुख्यसचिव राजेश राजौरा पर भी वर्कलोड बढ गया है। उल्लेखनीय है कि राजौरा पर लोकसेवा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त जिम्मेदारी आ गई है।

इस फेरबदल में कुछ और चित्र उभरे हैं, मसलन मनीष सिंह को परिवहन विभाग में अपर सचिव बनाया गया है। जब यादव ने सीएम पद संभाला था,तब सिंह को काफी समय बिना विभाग रहना पडा था,फिर पोस्टिंग में भी काफी 'पिछड़ना' पड़ा था। बाद में वे हाउसिंग बोर्ड के जरिये कुछ मुख्यधारा में दिखे और अब

परिवहन के जिम्मे के साथ धारा में लौट आए हैं। उन्हें परिवहन निगम का प्रबंध संचालक भी बनाया गया है। ज्ञात हो कि सरकार बंद हो चुके इस निगम को दोबारा जीवित करने या ऐसा कोई नया प्रयोग करने की दिशा में आगे बढ रही है। इसी तरह प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव को पशुपालन एवं डेयरी विकास की जिम्मेदारी के मायने अलग हैं। दरअसल सीएम का डेयरी विकास पर खास जोर है।

कई और प्रमुख तबादलों की चर्चा

- आईएएस गौतम सिंह को हटाया गया है, सिंह स्किल डेवलपमेंट पार्क के परियोजना संचालक थे।
- प्रमुख सचिव डॉ. ई रमेश कुमार को हाल ही में सरकार ने पशुपालन विभाग की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी थी जो वापस लेते हुए उन्हें अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दे दी है।
- प्रमुख सचिव एवं कमिश्नर जनसंपर्क डॉ. सुदाम पी खाड़े के पास से माध्यम का जिम्मा वापस लेते हुए डीपीआर अंशुल गुप्ता को यह जिम्मेदारी दे दी है।

दरअसल, यह बदलाव मुख्य सचिव के अब तक के आकलन व सीएम की प्राथमिकताओं व भावी जरूरतों पर आधारित है। सूत्रों की मानें तो कुछ दिनों बाद फिर ऐसी ही एक और सूची देखने को मिल सकती है जो मंत्रालय व मुख्यमंत्री कार्यालय में फेरबदल से जुड़ी हुई होगी।

कुछ प्रभावित, कुछ बार-बार प्रभावित !

गौरतलब है कि कुछ अफसर बार बार तबादले की जद में आ रहे हैं। मसलन शहडोल संभाग के आयुक्त श्रीमन शुक्ला को दो महीने में ही वापस बुलाते हुए उनकी जगह सुरभि गुप्ता को भेजा गया है। लंबे समय से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मप्र इकाई में पदस्थ मिशन संचालक प्रियंका दास को हटा दिया है। उनकी जगह सलोनी सिडाना को उक्त जिम्मेदारी दी है। एसीएस मनु श्रीवास्तव से अब ऊर्जा विभाग लेकर हाल में एसीएस के पद पर पदोन्नत नीरज मंडलोई को यह जिम्मेदारी दी है। प्रमुख सचिव गुलशन बामरा के पास से कुछ दिन पहले ही पशुपालन विभाग की जिम्मेदारी वापस ली थी और उन्हें पर्यावरण में काम करने का अवसर दिया था। अब उन्हें जनजातीय कार्य विभाग में भेज दिया है।

थियोरेटिकल ज्ञान के साथ साथ प्रैक्टिकल ज्ञान ज्यादा आवश्यक: डॉ. शुक्ला

16 देशों के प्रतिभागियों के साथ निटर भोपाल और सीपीएससी, मनीला ने शुरू किया प्रशिक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) भोपाल एवं सीपीएससी मनीला द्वारा 5 दिवसीय संयुक्त इंटरनेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किया गया है। इसमें 16 देशों के प्रतिभागी भाग ले रहे है। तकनीकी , व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण को सशक्त बनानारू भविष्य के कौशल और उभरती प्रौद्योगिकियों पर एक पहल विषय पर आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 16 देशों के प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. के.के शुक्ला निदेशक, मैनिट, भोपाल ने कहा कि आज थियोरिटिकल ज्ञान के साथ साथ प्रैक्टिकल ज्ञान ज्यादा आवश्यक है। प्रैक्टिकल ज्ञान व्यक्ति को उन स्थितियों और चुनौतियों से रूबरू कराता है, जो केवल किताबों या सिद्धांतों से समझी नहीं जा सकतीं। आज विद्यार्थी बड़े बड़े जर्नल्स में रिसर्च पेपर्स तो पब्लिश कर लेते हैं, परन्तु कई बार छोटी-छोटी स्किल्स सीखना भूल जाते है। मनीला के डॉ. केशवन उलगानाथन एवं कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. राजेश खंबायत ने 5 दिवसीय कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रदान की तथा कार्यक्रम का संचालन अनीता लाला ने किया। सीपीएससी, मनीला के महानिदेशक, डॉ. एस.के. धमेजा, ने कहा कि सीपीएससी, दुनिया भर में शिक्षा के तरीके में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आ रहा है, शिक्षकों को भी अपने आप को अपनी स्किल्स और दक्षता ब?ानी होगी। आज पारंपरिक शिक्षण की जगह समस्या-आधारित शिक्षण अधिक प्रासंगिक है।

देश में स्किल्ड मैन पॉवर की आवश्यकता ज्यादा: प्रो. सीसी त्रिपाठी

एनआईटीटीटीआर भोपाल के निदेशक प्रो. सी. सी त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में हर स्तर पर व्यवसायिक शिक्षा को महत्व दिया गया है, आज देश में स्किल्ड मैन पॉवर की आवश्यकता ज्यादा है। आज व्यावसायिक शिक्षा का महत्व कई कारणों से बहुत बढ़ गया है जिनमे स्टूडेंट्स के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाना, देश के आर्थिक विकास में योगदान, आत्मनिर्भरता और उद्यमिता को बढ़ावा, भविष्य में रोजगार के बदलावों के लिए तैयार करना, पारंपरिक शिक्षा के विकल्प के रूप, कौशल की वैश्विक मांग आदि शामिल हैं।

कैबिनेट बैठक में मोहन सरकार ने लिया निर्णय

रिटायर्ड हो चुके 48 हजार पेंशनरों को काल्पनिक वेतनवृद्धि, पेंशन में होगा हजारों रुपए का फायदा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

- बीते एक साल में रिटायर्ड हो चुके और आने वाले वर्षों में भी रिटायर्ड होने वाले हजारों कर्मचारियों को होगा फायदा
- हर साल 30 जून व 31 दिसंबर को रिटायर्ड होने वाले कर्मचारी आएंगे लाभ के दायरे में
- सरकार ने उद्योगों के लिए जमीन देने के प्रस्तावों को भी दी मंजूरी

प्रदेश सरकार हर साल 30 जून व 31 दिसंबर को या उसके पहले रिटायर्ड होने वाले कर्मचारियों को एक अतिरिक्त् काल्पनिक वेतन वृद्धि देगी। जिसकी गणना के आधार पर इन कर्मचारियों की पेंशन बनेगी और हर महीने हजारों रुपये का फायदा होगा। यह निर्णय 30 जून व 31 दिसंबर 2023 को रिटायर्ड हो चुके कर्मचारियों के लिए प्रभावी होगा और आने वाले सालों में उक्त तारीखों को रिटायर्ड होने वालों को भी इसका लाभ मिलेगा। इसके दायरे में करीब 48 हजार कर्मचारी आएंगे। जिन पर सरकार को करीब 50 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इतना फायदा इन कर्मचारियों को पेंशन में होगा। मोहन सरकार ने मंगलवार कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया है।

एक दिन के अंतर के कारण छूट जाते थे ये कर्मचारी: कर्मचारियों को साल में दो बार 1 जुलाई व 1 जनवरी को वेतनवृद्धि मिलती है लेकिन 30 जून व 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी महज एक दिन के अंतर के कारण इस दायरे से बाहर हो जाते थे। कर्मचारी मामलों के जानकारों का कहना है कि इस तरह हर 6 महीने में मिलने वाली वेतनवृद्धि में से कोई कर्मचारी आधे से अधिक अवधि तक काम करने के बाद सेवानिवृत्त होते थे तब भी उन्हें यह लाभ नहीं मिलता था, जो कि गलत था। कुछ कर्मचारी कोर्ट चले गए थे। कोर्ट ने उक्त् मामले में वेतनवृद्धि देने के निर्देश दिए थे। जिसमें सरकार ने इस मामले में एकमुश्त निर्णय लेते हुए सभी को यह लाभ देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

उद्योगों के लिए अतिरिक्त जमीन देगी सरकार: नर्मदापुरम माखन नगर स्थित मोहासा में बिजली एवं नवकरणीय उर्जा मैन्युफैक्चरिंग उद्योगों के लिए उपकरणों का निर्माण करने वाली औद्योगिक इकाईयां लगनी है। यहां उक्त इकाईयों का एक अलग क्षेत्र विकसित होना है। इसका निर्णय पिछली कैबिनेट बैठक में हो चुका था। अब उक्त इकाईयों के लिए 214.42 एकड़ अतिरिक्त् जमीन दी जाएगी। जिसके बाद उक्त क्षेत्र के लिए कुल 441.96 एकड़ जमीन हो जाएगी। इसी तरह भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान को रिसर्च केंद्र बनाने के लिए भोपाल के ग्राम भौंरी में 21.494 हेक्टेयर दी जाएगी। ये दोनों निर्णय कैबिनेट में लिए गए।

कैबिनेट बैठक में इन विषयों पर भी चर्चा: कैबिनेट बैठक के पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व मंत्रियों के बीच चर्चा हुई। जिसमें तय किया गया कि 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को गौरव दिवस के रूप में धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। शहडोल व धार में राज्य स्तरीय कार्यक्रम किए जाएंगे। इसी दिन बिहार में एक बड़ा गौरव दिवस का बड़ा आयोजन होना है, जिसमें मुख्यमंत्री व मंत्री वर्चुअली शामिल होंगे। विकसित मप्र 2047 के विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के लिए मंत्रियों द्वारा सुझाव दिए जाएंगे। वे समीक्षा भी करेंगे। मुरैना में बनाया जा रहा सौर ऊर्जा स्टोरेज प्लांट व उत्पादन प्लांट के काम में गति लाई जाएगी। महानगरों को झुग्गी मुक्ति करने के पूर्व के निर्णयों में प्रगति लाने के लिए नए सिरे से काम होगा।

पीएचडी शोध छात्रवृत्ति के लिए 18 तक आवेदन

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2024-25 के लिए विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति जनजाति एवं दिव्यांग श्रेणी (सभी वर्ग) के शोधार्थियों को पीएचडी शोध छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए हैं। इसके अनुसार सत्र के लिए अनुसूचित जाति जनजाति एवं दिव्यांग (दिव्यांग श्रेणी के सामान्य-पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति) के शोधार्थी, पीएचडी शोध छात्रवृत्ति के लिए 18 नवंबर 2024 तक आवेदन पत्र जमा कर सकेंगे। उक्त शोधार्थियों को अपना आवेदन पत्र, संस्था-शोध केन्द्र से अग्रेषित कराकर कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, तृतीय तल सतपुडा भवन, भोपाल में 18 नवंबर तक जमा करना होगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर नवीन निर्देश के अंतर्गत उपलब्ध है।

आसपास

यात्रा मुख्य मार्गो से होते हुए द्वारकाधीश बड़ा मंदिर पहुंची

श्याम जन्मोत्सव मना, निकाली निशान यात्रा

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

शहर मे श्याम बाबा का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है, जन्मोत्सव के पहले चरण में श्याम प्रेमियों द्वारा भाभी निशान यात्रा निकाली गई, जो शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए द्वारकाधीश बड़ा मंदिर पहुंची। निशान यात्रा का जगह-जगह पर धर्म प्रेमियों द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। निशान यात्रा में सांसद दर्शन सिंह चौधरी भी शामिल हुए, यात्रा के समापन के बाद सभी श्याम प्रेमियों को निशान भी बाटे गए। बुधवार को सूरजगंज चौक पर केक काटा जायेगा और विशाल भंडारे का आयोजन किया जायेगा।

तुलसी एवं शालिग्राम का विवाह

इटारसी। श्री दुर्गा नवग्रह मंदिर लकड़गंज में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी तुलसी विवाह का धार्मिक और अनूठा आयोजन किया गया। शालिग्राम विष्णु के स्वरूप में चेतन मालवीय एवं मीना मालवीय की सुपुत्री कुमारी सृष्टि मालवीय दूल्हा बनी थी एवं तुलसी के रूप में विनोद पटेल एवं श्रीमती सोनिया पटेल की सुपुत्री कुमारी मेघा पटेल दुल्हन बनी थी। तुलसी विवाह सुनील दुबे शिक्षक एवं उनकी धर्मपत्नी किरण दुबे ने तुलसी के माता-पिता बनकर संपन्न कराया। बाजे गाजे के साथ बारात दुर्गा नवग्रह मंदिर पहुंची जोरदार आतिशबाजी एवं पुष्प वर्षा की गई दूल्हा पक्ष की ओर से मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रमोद पगारे, सचिव जितेंद्र अग्रवाल बबलू, भूपेंद्र विश्वकर्माशामिल थे। भगवान विष्णु शालिग्राम ने तुलसी के साथ सात फेरे लिए श्री दुर्गा नवग्रह मंदिर के सामने गन्नो का आकर्षक मंडप बनाया गया था।

संपादकीय

मुफ्त के वादों का आधार

आज झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिये वोट डाले जा रहे हैं। यह पहला चरण है, दूसरे चरण का मतदान महाराष्ट्र के साथ बीस नवंबर को होगा। दोनों राज्यों में सियासी तस्वीर बहुत उलझी हुई है। खासतौर पर महाराष्ट्र जैसे विशाल राज्य की बात करें तो यहां जिस तरह से दोनों प्रमुख गठबंधनों यानि सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महाविकास आघाड़ी ने चुनावी वादों का पिटारा खोल रखा है, वह बताता है कि इन दलों ने हाल के अनुभवों और अपने नेताओं की नसीहतों से कोई सीख नहीं ली है। यह बात बार-बार कही जाती रही है कि राजनीतिक दल चुनाव के दौरान वादे करने में अतिरिक्त उदारता दिखाते हैं, जिससे एक तरफ खजाने पर बोझ बढ़ता है तो दूसरी तरफ इन दलों की साख पर भी सवाल उठते हैं। उदाहरण तो कर्नाटक का भी है, जहां अव्यावहारिक वादों के बल पर चुनाव जीतने के बाद राज्य सरकार के लिए उन्हें पूरा करना मुश्किल साबित हो रहा है। संभवत:-इसीलिए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा के वादे पर पुनर्विचार की बात कही, जिस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को उन्हें फटकार लगानी पड़ी कि उनके बयान से महाराष्ट्र के मतदाताओं को गलत संदेश जा सकता है। खुद प्रधानमंत्री मोदी भी मुफ्त की घोषणाओं पर सवाल उठाते रहे हैं। महाराष्ट्र चुनाव अभियान पर किसी भी खेमे में इन बातों का कोई असर नहीं दिख रहा। महायुति यानी भाजपा, शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी ने लाड़की बहिण योजना में दी जाने वाली राशि 1500 मासिक से बढ़ाकर 2100 मासिक करने के साथ ही नमो शेतकरी महासम्मान निधि योजना में किसानों को दी जाने वाली राशि भी 12हजार रु मासिक से बढ़ाकर 15हजार रुपये मासिक करने का वादा किया है। दूसरी ओर विपक्षी महाविकास आघाड़ी यानी कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की अगुआई वाली शिवसेना और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने महिलाओं को 3हजार रुपये मासिक और मुफ्त बस सेवा देने का वादा किया है। इन वादों से राजकोष पर पड़ने वाले बोझ की बात करें तो महायुति की लाड़की बहिण योजना में हुए इजाफे से इस पर सालाना खर्च 63हजार करोड़ रुपये हो जाएगा, जो इस योजना के मौजूदा बजट में 40 फीसदी का इजाफा है। नमो शेतकरी महासम्मान निधि में भी बढ़ोतरी का वादा इसके खर्च में सालाना 25 फीसदी का इजाफा कर देगा। ऐसे ही महाविकास आघाड़ी का महिलाओं को तीन हजार मासिक कैश देने का वादा राजकोष पर सालाना 90 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ डालेगा। यह स्थिति तब है जब इसी जुलाई में विधानसभा में रखी गई सीएजी रिपोर्ट ने याद दिलाया कि राज्य पर कर्ज बढ़ता जा रहा है। उसे 2.75 लाख करोड़ का कर्ज अगले सात वर्षों में चुकाना है। यही नहीं 94,845.35 करोड़ रुपये का मार्केट लोन और 83,453.17 करोड़ रुपये ब्याज अगले दो वर्ष में यानी वित्त वर्ष 2025-26 तक चुकाने हैं। हालांकि घोषणाओं का ऐसा ही पिटारा झारखंड में भी दोनों बडे दलों व उनके गठबंधन ने खोला है। यह प्रवृत्ति सिर्फ सत्ता हासिल करने की जुगत ही लगती है,सिर्फ यही नहीं बल्कि आम व्यक्ति को भी कम मेहनती बना सकती है। इसीलिये भारतीय राजनीति के बड़े चेहरों को ज्यादा जिम्मेदारी से बात करने की जरूरत है। यह भी बहुत अजीब दिखता है कि कई बडे चेहरे एकतरफ तो अर्थव्यवस्था की फिक्र की बात करते हैं, मुफ्त की घोषणाओं पर ऐतराज भी करते हैं और दूसरी तरफ राजनीतिक दलों को रोका भी नहीं जाता। जरूरी है कि चुनाव आयोग इस दिशा में ठोस कदम उठाकर राजनीतिक दलों को जिम्मेदार बनाए।

जो व्यक्ति अपना लक्ष्य तय नहीं कर सकता, वह जीत भी नहीं सकता।

-चाणक्य

आज का इतिहास

- 1898- काली पूजा के अवसर पर पूज्य माता शारदा देवी ने निवेदिता के विद्यालय का उद्घाटन किया।
- 1918- ऑस्ट्रिया गणराज्य बना।
- 1950- तिब्बत ने चीनी आक्रमण के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में अपील की।
- 1968- पाकिस्तान में जुल्फिकार अली भुट्टो को गिरफ्तार किया गया।
- 1971- नासा द्वारा भेजा गया यान मरीनर 9 मंगल ग्रह की कक्षा में पहुँचा।
- 1975- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एशिया के चेचक मुक्त होने की घोषणा की।
- 1985- पूर्वी कोलंबिया में ज्वालामुखी फटने के कारण करीब 23,000 लोग मारे गए।
- 1997- सुरक्षा परिषद् ने इराक पर यात्रा प्रतिबंध लगाया।
- 1998- चीन के विरोध के बावजूद दलाई लामा और अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने मुलाकात की।
- 2004- अमेरिकी राष्ट्रपति बुश ने फ़िलिस्तीनी राष्ट्र के निर्माण के लिए चार साल का समय निर्धारित किया।
- 2005- दक्षेस का 14वाँ शिखर सम्मेलन भारत में करने का निर्णय।
- 2007- कॉमनवेल्थ ने देश में आपातकाल हटाने के लिए पाकिस्तान को 10 दिनों का समय दिया।
- 2008- असम गण परिषद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल हुई।
- 2015- फ्रांस की राजधानी पेरिस में इस्लामिक स्टेट के आतंकियों ने 6 जगहों पर हमले किए,जिसमें 130 लोगों की जान चली गई।
- 1968- जूही चावला- हिन्दी फ़िल्म अभिनेत्री का जन्म।
- 1967- मीनाक्षी शेषाद्रि- भारतीय अभिनेत्री का जन्म।
- 1945- प्रियरंजन दासमुंशी- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व ऑल इंडिया फ़ुटबॉल फ़ेडरेशन के अध्यक्ष का जन्म।
- 1917- मुक्तिबोध गजानन माधव- प्रसिद्ध प्रगतिशील कवि का जन्म।
- 1917- वसंतदादा पाटिल- कांग्रेस के राजनीतिज्ञों में से एक थे का जन्म।

कविता

मन सोचता है...

- अज्ञेय -

मन बहुत सोचता है कि
उदास न हो
पर उदासी के बिना रहा
कैसे जाए?
शहर के दूर के तनाव-
दबाव कोई सह भी ले,
पर यह अपने ही रचे
एकांत का दबाव सहा
कैसे जाए!
वह कहूँ भी तो सुनने को
कोई पास न हो
इसी पर जो जी में उठे वह
कहा कैसे जाए!

अब क्या होगा ट्रम्प के खिलाफ चल रहे अपराधिक मामलों का?

■ **जयसिंह रावत**

डोनाल्ड ट्रम्प न केवल पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन पर गंभीर अपराधों के आरोप लगे हैं, बल्कि अब वह पहले ऐसे दोषी व्यक्ति बन गए हैं, जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव भी जीत लिया है। ट्रम्प की यह विजय संभवतः उन्हें उनकी कई गलतियों के लिए गंभीर कानूनी परिणामों से बचने का मार्ग प्रशस्त करती है, जिससे उनके खिलाफ चल रहे विभिन्न आपराधिक और सिविल मामलों पर प्रभावी रूप से रोक या स्थगन लग जाएगा।कानूनी जानकारों के अनुसार ट्रम्प की व्हाइट हाउस में वापसी उनके खिलाफ कई वर्षों की जांचों और मुकदमों को समाप्त कर देगी, जिनमें विशेष काउंसल जैक स्मिथ और जॉर्जिया जिला अटॉर्नी फानी विलिस द्वारा चलाए गए मामले भी शामिल हैं, और यह उन्हें अभियोजन से व्यापक बचाव प्रदान करेगा।चुनाव जीतते ही ट्रम्प ने शपथ ली है कि यदि स्मिथ ने पहले ही स्वयं पद नहीं छोड़ा तो वह जैसे ही पदभार संभालेंगे, विशेष काउंसल जैक स्मिथ को कुछ ही सेकंड में हटा देंगे। स्मिथ ट्रम्प की 2020 के चुनाव परिणामों को पलटने की कोशिश और मार-ए-लागो में रखे गए गुप्त दस्तावेजों के मामले की जांच कर रहे थे।

ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के साथ ही वह इन मामलों को न्याय विभाग के माध्यम से समाप्त कर सकते हैं। वाशिंगटन में चल रहे स्मिथ के मामले (जो ट्रम्प की 6 जनवरी को कैपिटॉल पर हमले में भूमिका से संबंधित हैं) और फ्लोरिडा में (गुप्त दस्तावेजों से संबंधित) संभवतः अब स्थगित या पूरी तरह से खारिज हो सकते हैं। वाशिंगटन में ट्रम्प पर 2020 के चुनाव नतीजों के हरण की कोशिश करने के आरोप हैं। लेकिन कोई भी फाइलिंग की समय सीमा, जो जज तन्या चुटकन द्वारा निर्धारित की गई है, ट्रम्प के पदभार संभालने के बाद स्थगित हो सकती है। जब तक न्याय विभाग का नेतृत्व बदल नहीं जाता तब तक फ्लोरिडा में ट्रम्प के मार-ए-लागो मामले की अपील शायद अनिश्चितकाल के लिए विलंबित हो सकती है। फुल्टन काउंटी की जिला अटॉर्नी फानी विलिस का ट्रम्प के खिलाफ मामला, जो 2020 के चुनाव परिणामों को भ्रष्ट करने के कथित प्रयास से संबंधित है वह कानूनी चुनौतियों के कारण कारण दरकिनार कर दिया गया है। ट्रम्प की अपील, जिसमें विलिस के संभावित हितों के टकराव के कारण मामले को

कई महीनों के लिए रोक दिया गया था।

अब यदि विलिस अपील में जीतती हैं और मामला फिर से शुरू होता है, तो ट्रम्प राष्ट्रपति की इम्यूनिटी का हवाला देते हुए यह तर्क देंगे कि एक राष्ट्रपति को राज्य स्तर के अभियोजक द्वारा अभियुक्त नहीं बनाया जा सकता। अगर यह मामला ट्रम्प के कार्यकाल के अंत तक खिंचता है तो फिर दस साल पुराने मामले को साबित करना कठिन होगा।

ट्रम्प भुगतान को छिपाने के लिए कथित तौर पर व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के मामले में आपराधिक मुकदमे का सामना करने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति हैं। अश्लील फिल्मों की एक्टर स्टॉर्मी डेनियल्स का दावा था कि उसने और ट्रम्प ने सेक्स किया था और उसने राज न खोलने के बदले में 2016 के चुनाव से पहले अपने पूर्व वकील से 130,000 डॉलर ट्रम्प से लिए थे। ट्रम्प को स्टॉर्मी डेनियल्स को चुप रहने के लिए पैसे देने के मामले में 34 आरोपों में दोषी ठहराया गया था। इस मामले में सजा 26 नवंबर 2024 को निर्धारित की गई है। लेकिन ट्रम्प की कानूनी टीम यह तर्क दे सकती है कि राष्ट्रपति-निर्वाचित को राज्य अदालत में पेश नहीं होना चाहिए। खासकर जब वह अपने राष्ट्रपति पद के संक्रमण काल में हों। ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद जेल की सजा बाद में टल सकती है।यदि जज जुआन मर्चन कोई गैर-जेल सजा, जैसे घर में नजरबंदी या सामुदायिक सेवा निर्धारित करते हैं, तो ट्रम्प की कानूनी टीम यह तर्क देते हुए कि राष्ट्रपति के कर्तव्य कानूनी दायित्वों से पहले आते हैं इसलिए इसे भी स्थगित करने की कोशिश करेगी।

आपराधिक मामलों के अलावा ट्रम्प कई बड़े सिविल मुकदमों का भी सामना कर रहे हैं, जिनकी राशि सैकड़ों मिलियन डॉलर तक पहुंचती है। इन मामलों में धोखाधड़ी, मानहानि, यौन उत्पीड़न और कॉर्पोरेट गलत कामों के आरोप हैं। ट्रम्प राष्ट्रपति पद की शक्ति का उपयोग इन वित्तीय दायित्वों से खुद को बचाने के लिए कर सकते हैं। जहां तक आपराधिक सुरक्षा का सवाल है, वहां कोई संवैधानिक बाधा नहीं है, जिससे एक राष्ट्रपति पर नागरिक दंड नहीं लगाया जा सकता। हालांकि, ट्रम्प यह तर्क देंगे कि सिविल या दीवानी मुकदमे उनके कार्यों में हस्तक्षेप करते हैं और इसलिए इन पर निर्णय में देरी हो सकती है।

ट्रंप पर दीवानी मामले : धोखाधड़ी मामला (न्यूयॉर्क): न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशा जेम्स ने ट्रम्प के खिलाफ निर्णय लिया, जिसमें उन्होंने ट्रम्प के नेट वर्थ और रियल एस्टेट मूल्य को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया, ताकि वह बैंकों और बीमा कंपनियों से अनुकूल ऋण प्राप्त कर सकें। मैनहट्टन के एक जज ने उन पर 450 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है जिसका ट्रम्प विरोध कर रहे हैं।

ई. जीन कैरोल के मामले: ट्रम्प पर दो नागरिक मुकदमे दायर किए गए थे, जिनमें लेखक ई. जीन कैरोल ने आरोप लगाया था कि ट्रम्प ने 1990 के दशक में उनका यौन उत्पीड़न किया और फिर बाद में सार्वजनिक रूप से उनके खिलाफ मानहानि की। ट्रम्प ने इन दोनों फैसलों के खिलाफ अपील कर रखी है।

6 जनवरी के नागरिक दायित्व : कैपिटॉल पर हमले के दौरान घायल हुए कई पुलिस अधिकारियों और कांग्रेस के सदस्य जो अपनी जान बचाने के लिए भागे थे, ने ट्रम्प के खिलाफ मुआवजे के लिए मुकदमें कर रखे हैं। उन्होंने ट्रम्प पर हिंसा को भड़काने के लिए जिम्मेदार ठहराया है। यह मामला राष्ट्रपति सुरक्षा के मुद्दे से जटिल है, लेकिन यह कई वर्षों तक चल सकता है, जिससे ट्रम्प पद पर बने रहते हुए वित्तीय दंड से बचने का मौका मिल सकता है।

ट्रम्प की यह चुनावी विजय उन्हें माफी देने का अधिकार देती है, जिसमें चुनावी धोखाधड़ी और गुप्त दस्तावेजों से संबंधित मामलों में सह-षड्यंत्रकारियों को माफ करने का विकल्प भी शामिल हो सकता है। जबकि ट्रम्प खुद के लिए माफी की मांग कर सकते हैं। वह जब तक पद पर होंगे तब तक उनकी कानूनी टीम किसी भी भविष्य की कार्यवाही को बाद में स्थगित या कमजोर करने की कोशिश कर सकती है। इसके अतिरिक्त कोई भी नागरिक दंड या जुर्माना भी स्थगित किया जा सकता है, जिससे ट्रम्प वर्षों तक भुगतान करने को टाल सकते हैं।ट्रम्प का राष्ट्रपति पद पर लौटना उन्हें उनके कानूनी मामलों के सभी परिणामों से प्रभावी रूप से सुरक्षा प्रदान करता है, चाहे वह आपराधिक मामले हों या नागरिक। विशेष काउंसल जैक स्मिथ की जांच, जॉर्जिया चुनाव हस्तक्षेप मामला और मैनहट्टन धोखाधड़ी की सजा सभी ट्रम्प प्रशासन के तहत महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करेंगे।इसके अतिरिक्त, ट्रम्प नागरिक दावों का भुगतान करने में देरी कर सकते हैं, यह कहते हुए कि राष्ट्रपति कर्तव्यों को कानूनी दायित्वों से पहले माना जाना चाहिए। ट्रम्प के कानूनी मामले जो कभी उनके राजनीतिक भविष्य के लिए एक बड़ा अवरोध थे, अब राष्ट्रपति पद की शक्ति और सुरक्षा के कारण स्थगित, टाले गए या पूरी तरह से समाप्त हो सकते हैं। उनका व्हाइट हाउस में वापसी एक व्यापक दायरे में कथित गलतियों की जवाबदेही को समाप्त कर सकती है और उनके कानूनी परेशानियां तब तक अनसुलझी रहेंगी, जब तक वह पद पर हैं।

(साभार : ये लेखक के अपने विचार हैं)

बंगाल में बाल विवाह समस्या: राज्य अपने गौरवशाली इतिहास को चुनौती दे रहा

■ **मोनीदीपा बनर्जी**

सुप्रीम कोर्ट ने बाल विवाह के खिलाफ नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं – पश्चिम बंगाल के लिए एक जटिल मुद्दा, जो अभी भी अतीत में फंसा हुआ लगता है. कोर्ट ने आदेश दिया है कि हर जिले में एक बाल विवाह निषेध अधिकारी नियुक्त किया जाए जो इस तरह के विवाहों को रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखे. इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए पहले भी इसी तरह के नियम बनाए गए हैं, जिसे सामाजिक वैज्ञानिक गरीबी, अशिक्षा और परंपरा पर दोष देते हैं और जबकि इन प्रयासों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ा है – राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में बाल विवाह 1992-93 में 54.2 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 23.3 प्रतिशत हो गया है – पश्चिम बंगाल लगभग 41 प्रतिशत पर स्थिर रहा है, जो खुद को बिहार और त्रिपुरा के साथ सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक बनाता है.पश्चिम बंगाल में बाल विवाह की समस्या है. यह अपने खुद के गौरवशाली इतिहास को चुनौती दे रहा है। राज्य में इस प्रवृत्ति को उलटने के लिए सब कुछ है.

परंपरा से शुरुआत करें. याद रखें कि बंगाल ने लगभग 200 साल पहले सती प्रथा को समाप्त कर दिया था और 25 साल बाद विधवा पुनर्विवाह की शुरुआत की थी. हाल ही में, राज्य ने अपने कन्याश्री प्रकल्प कार्यक्रम के लिए यूनिसेफ से प्रशंसा पाई – लड़कियों को स्कूल भेजने और बाल विवाह को रोकने के लिए नकद हस्तांतरण

योजना शुरू की. फिर भी, बंगाल में युवा लड़कियां अभी भी कम उम्र में शादी कर रही हैं।

हालांकि, हैरान नौकरशाह, समाज वैज्ञानिक और अर्थशास्त्री एक ऐसी घटना में आशा की किरण देख रहे हैं, जिसे आधिकारिक तौर पर सारणीबद्ध नहीं किया गया है, लेकिन यह अधिक साफ होती जा रही है: स्व-प्रेरित शादी. ज्यादातर लड़कियां 18 साल की होने से ठीक पहले शादी कर रही हैं, एक तरह से, अपने साथी को चुनने के अपने अधिकार का दावा कर रही हैं, भले ही इसका मतलब राज्य से मिलने वाले वित्तीय लाभों को खोना हो. लड़कियां 18 वर्ष की आयु तक इंतज़ार के लिए तैयार नहीं हैं और अपने माता-पिता द्वारा उन्हें अपनी पसंद की शादी के लिए मजबूर करने का जोखिम नहीं उठाना चाहती हैं, न ही उनकी पसंद की. लड़कियां विद्रोह कर रही हैं, मुखर हो रही हैं – और यह जश्न मनाने की बात है, भले ही इससे पश्चिम बंगाल के बाल विवाह के आंकड़े नष्ट हो जाएं। लेकिन शिक्षा के बारे में क्या? 18 वर्ष की आयु से कुछ कम आयु में स्व-प्रेरित शादी के ट्रेंड ने कुछ समाज वैज्ञानिकों को यह पहचानने पर मजबूर कर दिया है कि पढ़ने के लिए शिक्षा पर्याप्त प्रोत्साहन नहीं है.

लड़कियां और लड़के – जो अपनी ज़िंदगी के लगभग 18 साल स्कूल में बिताते हैं, वह उस निवेश पर सार्थक रिटर्न चाहते हैं, लेकिन नौकरियों की कमी को देखते हुए, उन्हें आगे बढ़ने के लिए कुछ खास नहीं मिलता. इसलिए, लड़कियों के लिए, अगला विकल्प अक्सर यही होता है- चलो शादी कर लें।

दरअसल, पश्चिम बंगाल के तीन जिलों को बाल विवाह के मामले में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले जिलों के रूप में पहचाना जाता है – मुर्शिदाबाद, पश्चिम मिदनापुर और पूर्वी मिदनापुर. विडंबना यह है कि पूर्वी मिदनापुर में राज्य में सबसे अधिक साक्षरता दर भी है. साक्षरता लड़कियों के लिए कम उम्र में शादी न करने का कोई कारण नहीं है. असल में, साक्षरता संभवतः उनके दृढ़ संकल्प और अपने साथी को खुद चुनने के दृढ़ संकल्प को बढ़ावा दे सकती है, भले ही वे कम उम्र के हों। नके सामने जो समस्या है वह यह है कि शादी किससे करें? पश्चिम बंगाल में लड़के खतरनाक दर से स्कूल छोड़ रहे हैं क्योंकि लगभग सभी प्रोत्साहन लड़कियों पर केंद्रित हैं, जिससे लड़के यूं ही रह जाते हैं. इसलिए, संकट की स्थिति में, अगर किसी परिवार को पैसे कमाने के लिए अतिरिक्त हाथों की ज़रूरत होती है, तो चलन यह है- चलो लड़के को स्कूल से निकाल दें – लड़की को नहीं. वह कम से कम सरकारी अनुदान प्राप्त करके परिवार के खर्च में योगदान दे रही है, लड़का नहीं, इसलिए चलो उसे काम पर लगा दें.

इसका नतीजा यह है कि पश्चिम बंगाल में लड़कों से ज़्यादा लड़कियां माध्यमिक परीक्षा दे रही हैं, लड़कियों के स्कूलों में कक्षाएं भरी हुई हैं, जबकि लड़कों के स्कूल खाली हो रहे हैं. नतीजतन युवा पुरुषों की एक नस्ल बन रही है जिनकी शिक्षा अधूरी है, जिन्हें कम उम्र से ही व्यावसायिक कौशल के ज़रिए परिवार के लिए पैसे कमाने के लिए तैनात किया जाता है, जो कि बहुत उज्ज्वल संभावनाओं वाले नहीं होते.

कई लड़के काम की तलाश में घर छोड़ने के लिए मजबूर होते हैं, अक्सर राज्य के बाहर और जब माता-पिता उन्हें परिवार और घर से बांधना चाहते हैं, तो उनका समाधान होता है- उसकी शादी कर देना. कोई भी माता-पिता नहीं चाहते कि उनकी बहू बेटे से ज़्यादा पढ़ी-लिखी हो या बड़ी हो. इसलिए, अपने 18-वर्षीय स्कूल छोड़ने वाले बेटे के लिए, जो प्रवासी मज़दूर बनने की कगार पर है, वह ऐसी दुल्हन की तलाश करते हैं जो कम उम्र की हो, कम पढ़ी-लिखी हो. अंतिम परिणाम? पश्चिम बंगाल के बाल विवाह के आंकड़ों के ताबूत में एक और कील.

बाल विवाह पर सुप्रीम कोर्ट के नवीनतम निर्देश स्वागत योग्य हैं, लेकिन वह भारत को बनाने वाली अनंत सामाजिक-आर्थिक जटिलताओं से नहीं निपटते. आइए इस बात पर भी ध्यान न दें कि ये नियम विभिन्न धार्मिक आदेशों के व्यक्तिगत कानूनों को पीछे छोड़ते हैं या नहीं.

अच्छी खबर यह है कि बाधाओं के बावजूद, भारत में बाल विवाह की दर में कुल मिलाकर गिरावट आई है. सूची में सबसे नीचे रहने वाले राज्यों ने बड़ी छलांग लगाई है. पश्चिम बंगाल के लिए आगे का रास्ता सहयोग करना और अन्य राज्यों से सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना होना चाहिए. बाल विवाह की बुराई को खत्म करना होगा. पश्चिम बंगाल पीछे नहीं रह सकता – इसके लोग इससे बेहतर के हकदार हैं।

(साभार : लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विद्यार्थियों ने मारी बाजी, महाविद्यालय का नाम किया रोशन

इटारसी, दोपहर मेट्रो

शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय इटारसी के प्रतिभागियों ने सोमवार को जिला स्तर प्रायोजित विभिन्न महाविद्यालय में युवा उत्सव की एकांकी, वाद विवाद ,भाषण, कार्टूनिंग, प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें सभी पांचो विधाओं में शासकीय एमजीएम महाविद्यालय इटारसी के प्रतिभागियों ने पांचो विधाओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय में कीर्तिमान स्थापित कर महाविद्यालय को गौर्बान्वित किया। कार्टूनिंग विद्या में मयूर चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया यह प्रतियोगिता शासकीय माखनलाल चतुर्वेदी महाविद्यालय माखन नगर में संपन्न हुई।

वाद विवाद प्रतियोगिता के पक्ष में तृप्ति ओमकार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया बाद विवाद प्रतियोगिता के विपक्ष में महाविद्यालय की छात्रा कोमल मनवारे ने विपक्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया । भाषण

प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्रा कोमल मनवारे प्रथम स्थान प्राप्त किया। एकांकी विधा में ओम सिंह, गीता चौहान, सृष्टि सिंह, मयंक कनौजिया, अमित पुरी गोस्वामी, अभिषेक सोनी, इशिका पांडे, हितेश मेहरा ने 'अब क्या' विषय पर प्रथम स्थान प्राप्त किया यह एकांकी महाविद्यालय के डॉ. दिनेश कुमार द्वारा निर्देशित था।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ राकेश मेहता ने सभी प्रतिभागियों को महाविद्यालय परिवार की ओर से बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि ऐसे विद्यार्थी महाविद्यालय के गौरव है, जिंसी महाविद्यालय की प्रतिष्ठा है, अगले स्तर पर पहुंचकर महाविद्यालय का नाम गोर्बान्वित करेंगे ऐसी शुभकामनाएं में प्रेषित करती हूं।

युवा उत्सव प्रभारी डॉ संतोष कुमार अहिरवार युवा उत्सव प्रभारी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। 12 नवंबर 2024 को महाविद्यालय में गायन की पांच विधाए संपन्न होगी। इन विधाओं में प्रतिभागिता करने वाले सभी विद्यार्थियों को भी अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की।

विधिवत परीक्षण करने के लिए सीएमओ को निर्देश

तूल पकड़ रही है नपा में बरसों पूर्व हुई अनुकंपा नियुक्ति

- मजदूर संघ ने कहा-हम इस निर्देश को लेकर उत्साहित नहीं है क्योंकि संयुक्त संचालक के निर्देश पर कार्यवाही नहीं करेंगे बल्कि उसे ठंडे बस्ते में डाल दी जाएगी
- सीएमओ अपने चहेतों को शिकायत होने बावजूद स्थापना, लेखा शाखा से न हटाकर शासन के आदेशों की अवमानना कर रहे हैं

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका कर्मचारी मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार वर्मा ने बताया है कि कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास नर्मदापुरम संभाग नर्मदापुरम कार्यालय से पत्र क्रमांक - सं सं/अनु.नि./नर्मदापुरम/482 नर्मदापुरम दिनांक - 21/10/2024 संयुक्त संचालक से प्राप्त हुआ है दिनांक - 07/10/2024 को मजदूर संघ के द्वारा प्रेषित शिकायत पत्र में कहा गया था कि शासन स्तर पर दी गई अनुकंपा नियुक्तियों को निरस्त किया जावे व सेवा काल में दी गई समस्त देयक भुगतान राशि कि रिकवरी की जावे. कार्यवाही के अभाव में उच्च न्यायालय जबलपुर मध्य प्रदेश में प्रकरण दर्ज किये जाने कि सूचना भी निश्चित समयावधि के पश्चात दिए जाने हेतु दी गई हैं जिस पर संज्ञान लेकर संयुक्त संचालक सुरेश बेलिया के द्वारा नगरपालिका सीएमओ हेमेश्वरी पटले को अनुकंपा नियुक्ति पर जांच कार्यवाही व संबंधित शिकायत कर्ता को की गई कार्यवाही से अवगत कराये जाने हेतु आदेश व दिशा निर्देश दिए गए हैं मजदूर संघ इस निर्देश को लेकर उत्साहित नहीं है बल्कि उसका कहना है कि संयुक्त संचालक द्वारा किए गए निर्देश की कार्यवाही नगरपालिका सीएमओ के द्वारा ठंडे बस्ते में पटक दी जावेगी क्योंकि सीएमओ द्वारा अपने चहेते कर्मचारियों को अत्यधिक शिकायत होने बावजूद स्थापना शाखा, लेखा शाखा से न हटाकर शासन आदेशों कि निरंतर अवमानना कि जा रही हैं. ऐसे मुख्य नगर पालिका अधिकारी से क्या उम्मीद की जा सकती है

क्या है मामला..?

महेश कुमार वर्मा ने बताया नगर पालिका में पदस्थ एक

कर्मचारी जो कि पिता के शासकीय सेवा काल में रहने के पश्चात चाची यानि मृतक कर्मचारी जो नगरपालिका में चपरासी के पद पर पदस्थ था दिये गये शपथपत्र के अनुसार चाचा ने जिस भतीजे को पहला नामिनी बनाया था उस के स्थान पर पहले नामिनी की स्वीकृति पर दूसरे भतीजे को नामिनी तैयार करके मूर्छित अवस्था में शपथपत्र बनवाया गया. नामिनी फार्म पर चाचा के अस्पष्ट हस्ताक्षर करवाकर चपरासी के पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त की गई. मूर्छित कर्मचारी हस्ताक्षर करने कि स्थिति में नहीं था. इसको लेकर किसी भी शासकीय चिकित्सक, नोटरी अधिवक्ता, नगरपालिका सीएमओ ने नामिनी से संबंधित दस्तावेजों पर यह टीप नहीं दी कि कर्मचारी मूर्छित अवस्था में है. हस्ताक्षर करने कि स्थिति में नहीं है. उसकी अंगूठा निशानी या अन्य उंगलियों के छापे संबंधित दस्तावेजो पर नहीं लिए गए. मृतक कर्मचारी की पत्नी का अनदेखा परिवार वालों के साथ साथ नगरपालिका, शासन से संबंधित जिम्मेदार, नोटरी अधिवक्ता के द्वारा किया गया. मृतक कर्मचारी की पत्नी का अभिमत भी नहीं लिया गया. कार्यकारी अध्यक्ष वर्मा ने बताया नगरपालिका में पदस्थ चार कर्मचारियों के द्वारा आत्महत्याएं की गई आत्महत्या पर अनुकंपा नियुक्ति देने का प्रावधान नहीं होने के बाबजूद विभागीय वरिष्ठ कार्यालय की अनुशंसा पर तीन आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति दी गई हैं. चौथा आश्रित अनुकंपा के लिए आज तक वंचित हैं. आत्महत्या के पश्चात अनुकंपा नियुक्ति का लाभ देकर नगरपालिका ने अप्रत्यक्ष रूप से समाज में क्या संदेश देना चाहते हैं यह समझ से परे है.

मजदूर संघ मध्यप्रदेश शासन व नगरपालिका से अपेक्षा करता है कि अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित शिकायतों की निष्पक्षता से जांच कार्यवाही करते हुए उचित परिणाम दिये जावे. वैसे उक्त संबंधित अनुकंपा नियुक्तियों पर कार्यवाही को लेकर मजदूर संघ माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर मध्य प्रदेश कि शरण में चला गया है क्योंकि उच्च न्यायालय इलाहाबाद उत्तर प्रदेश, उच्च न्यायालय जोधपुर राजस्थान, उच्च न्यायालय जबलपुर मध्य प्रदेश से पारित आदेश व शासन आदेश के तहत दत्तक पुत्र/पुत्री को और आत्महत्या पर आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति दिये जाने के प्रावधान नहीं है के बावजूद आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति का पारितोषिक दिया गया है.

सिवनी मालवा को मिली सौगात

नगर में यूनियन बैंक शाखा का हुआ उद्घाटन

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा नगर मे यूनियन बैंक शाखा स्थापित करते हुए शाखा का उद्घाटन किया गया। यूनियन बैंक शाखा का उद्घाटन बैंक के अंचल प्रमुख बिरजा प्रसाद दास, क्षेत्रीय प्रमुख राजकुमार सेन और शाखा प्रमुख इमरत लाल माणिक ने फीटा काटकर किया।

इसी अवसर पर यूनियन बैंक के 106 वर्ष पूर्ण होने पर खुशी जाहिर करते हुए अंचल प्रमुख बिरजा प्रसाद दास ने उपस्थित ग्राहको को बताया कि यूनियन बैंक भारत सरकार का उपक्रम है। जो सतत 106 वर्षो से ग्राहको की लगातार सेवा करती चली आ रही है। उन्होंने सभी को यूनियन बैंक की योजनाओ के विषय मे विस्तार से बताया। इसके बाद बैंक के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्थानीय वृद्धाश्रम मे जाकर वृद्ध जनो को सर्दी की सामग्री शाल और मोज़े वितरित किये।

कृषि उपज मंडी बानापुरा में विपणन व्यवस्था के लिए की जा रही हैं पंजीयन व्यवस्था

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

वर्तमान में सिवनी मालवा की कृषि उपज मंडी समिति बनापुरा में सिवनी मालवा क्षेत्र से लगे हुए चार जिलों की कृषि उपज प्रतिदिन विक्रय हेतु आती है और मंडी में उचित दाम सहित तोल व्यवस्था एवं भुगतान व्यवस्था किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है।

इन दिनों सबसे अधिक आवक मण्डी में मक्का की हो रही है फिर भी किसानों को संतुष्ट करते हुए टोकन व्यवस्था लागू करते हुए नीलाम कार्य संचालित हो रहा है किसी प्रकार की कोई असुविधा उत्पन्न नहीं हो रही है, किसान बंधु भी अपनी कृषि उपज बेचकर संतुष्ट होकर अपने घर पहुंच रहे हैं, मंडी सचिव दिनेश लोखंडे ने बताया कि मंडी प्रांगण में अत्यधिक आवक को दृष्टिगत रखते हुए व्यापारियों द्वारा रेक एवं ट्रैकों के माध्यम से अपनी कृषि उपाजो को डिलीवरी और निकासी कर रहे हैं यह व्यवस्था भी निरंतर चल रही है किसानों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न ना हो इस हेतु बेहतर व्यवस्था निरंतर उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही मंडी समिति बनापुरा द्वारा प्रांगण में अत्यधिक ट्राली आवक को देखते हुए एक नई व्यवस्था केवल मक्का नीलम हेतु 18 /11/2024 दिन सोमवार से लागू की जा रही है जिसमें कृषकों को पृथक से टोकन पंजीयन जारी होगा , टोकन ओर पंजीयन प्राप्त करने हेतु किसान को अपनी ट्राली लेकर मंडी नहीं आना होगा और टोकन में जिस दिन नीलामी होना है उस दिन व तारीख का उल्लेख रहेगा ताकि किसानों को दो-तीन दिन मंडी में नहीं बिताना पड़ेगा तथा ट्रालियों के भाड़े का ब्यय भी बचेगा एवं समय पर नीलम, तोल तथा भुगतान भी होने में कोई असुविधा नहीं होगी।

10 दिवसीय एनसीसी प्रशिक्षण शिविर शुरु

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

एनसीसी महानिदेशक एवं ग्रुप हैडक्वाटर भोपाल के तत्वावधान में 13 एम.पी. बटालियन एनसीसी के द्वारा 10 दिवसीय एनसीसी प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ कमान अधिकारी के ओपनिंग एड्रेस से हुआ। यह शिविर 11 नवंबर से 20 नवंबर 2024 तक संचालित होगा। इस शिविर में 359 कैडट भागीदारी कर रहे हैं। इस शिविर में 13 एम पी बटालियन एनसीसी नर्मदापुरम के 285 एवं 4 एमपी एनसीसी गर्ल्स बटालियन की 74 सीनियर और जूनियर डिवीजन के कैडेट भागीदारी कर रहे हैं। कमान अधिकारी ने बताया कि कैंप के दौरान विभिन्न

प्रकार का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। जिसमें मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट, बैटल क्राफ्ट, एवं अन्य सैन्य विषयों की जानकारी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त इस 10 दिवसीय प्रशिक्षण में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। जिसमें निबंध, लेखन, चित्रकारी, तात्कालिक भाषण, खेल एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जाएगे । कैंप के शुभारंभ करते हुए अपने ओपनिंग एड्रेस में कर्नल हरप्रीत सिंह कहा की शिविर का उद्देश्य कैडेट को उच्च स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना और कैडेट के व्यक्तित्व विकास को निखारना है। साथ ही उसे एकता और अनुशासन का भाव उत्पन्न करना है, कैम्प में फायरिंग एवं ऑप्टिकल का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा है।

मेट्रो एंकर सवा करोड़ रुद्री निर्माण कार्यक्रम के तहत आज निकल जाएगी शोभायात्रा

भारतीय संस्कृति के वैज्ञानिक महत्व का अनुसंधान करें: पं. सोमेश परसाई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदा नगरी में श्री विद्या ललिताम्बा समिति के तत्त्वाधान एवं पंडित सोमेश परसाई के आचार्यत्व में आयोजित सवा करोड़ शिवलिंग निर्माण के आयोजन में पंडित सोमेश परसाई ने संबोधित करते हुए कहा कि आज के परिवेश में बिस्तर पर चाय पीने का प्रचलन बढ़ गया है। जबकि सुबह तो राम नाम के अमृत पान के साथ होनी चाहिए । विदेशी हमारी संस्कृति और संस्कार पर रिसर्च कर रहे हैं और हम लगातार पश्चिम की संस्कृति का अनुकरण कर रहे है वर्तमान समय की आवश्यकता है कि हम अपनी संस्कृति और परंपराओं पर अनुसंधान करें शोध करें और समझे कि इसके पीछे क्या वैज्ञानिक महत्त्व है। कथा में प्रवचन के दौरान आचार्य परसाई ने महारानी देवी अहिल्या बाई का समाज और धर्म के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान बताते हुए कहा कि मंदिर निर्माण से ज्यादा महत्त्व मंदिर के दीर्णोद्धार का है ।उन्होंने ने कहा कि यदि मंदिर का निर्माण कराएं तो चार बातों का ध्यान

रखें.मंदिर में ब्राह्मण के रहने की व्यवस्था हो,मंदिर में गौ शाला हो , मंदिर में विराजे देवताओं के विधिवत पूजा सम्पन्न हो और मंदिर में साधुओं के ठहरने की व्यवस्था हो. यदि इतना करना संभव न हो तो अपने आसपास के मंदिरों का जीर्णोद्धार ही कराएं । कार्यक्रम का प्रारंभ स्वस्ति वाचन से हुआ। वैदिक विद्वानों द्वारा गणेश अम्बिका पूजन मंडल आदि पूजन किया तथा रुद्र पाठ पाठ हुआ । इसके उपरांत रुद्री निर्माण प्रारम्भ हुआ। तत्पश्चात भगवान शिव का संगीतमय रुद्राभिषेक हुआ ।भगवान को नाना प्रकार के रसों से स्नान कराया,दूध, दही, घी, शहद, शक्कर आदि से भगवान का अभिषेक किया. शिव की दिव्य भस्म महाआरती की गई।

बाल्मीक समाज के जीवन लाल कटारिया, संजू रेवाराम लूटारे, वंदना चुटीले, दिलीप मैना, पटेल, ओ पी बडगुजर समेत बाल्मीक समाज के पदाधिकारियों ने श्रद्धेय गुरुदेव का स्वागत किया । इसके अलावा व्यापारी महासंघ के राजकुमार खंडेलवाल, महेंद्र चौकसे, हंस राय, देवेंद्र गिल्ला, मनोहर बढ़ानी, नूतन अग्रवाल, संतीश खंडेलवाल, गोविंद मूलचंदानी, विजय गोपलानी, किशोर करैया, राजकुमार गुबरेले, अजय रत्नानी, विक्रांत चौकसे, के के चौकसे, अनिल अग्रवाल, उदित द्विवेदी, महेश मूलचंदानी आदि नगर के व्यापारी महासंघ के सदस्यों ने पंडित सोमेश परसाई का का स्वागत किया। मुस्लिम भाईनों ने भी कथा वाचक का सम्मान किया. जिसमें फ़िरोज़ खान एडवोकेट, फुरकान खान, रईस खान, वसीम खान, आफरीद, समीर खान, अमन खान, रिज़वान कुरेशी,अरमान खान, शाहराब खान, फ़ैज़ खान आदि प्रमुख है।

केंद्रीय जेल प्रमुख संतोष सिंह एवं जेलर ऋतुराज दांगी ने बताया बंदी विगत 5 दिनों से रुद्रियों का निर्माण कर रहे है जिससे उनके व्यवहार में बहुत सकारात्मक परिवर्तन आया है। बंदी नित्य हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए रुद्रियाँ बना रहे हैं । जेल मुस्लिम समाज के कैदियों ने भी लिखित सहमति देकर रुद्री निर्माण किया । कार्यक्रम के छटवे दिवस के कार्यक्रम में सांसद दर्शन सिंह, विधायक पंडित सीताशरण शर्मा , सोहागपुर विधायक ठाकुर विजयपाल सिंह , पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पं.भवानी शंकर शर्मा,पूर्व विधायक ठाकुर राजेंद्र सिंह,डॉ. अतुल सेठा, वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत रघुवंशी , वरिष्ठ अधिवक्ता केके थापक, डॉ. नीरज राय, डॉ. नीति राय भोपाल, समेत अनेक गणमान्य शामिल हुए।

आज निकली जाएगी शोभायात्रा..

कार्यक्रम स्थल से आज दोपहर शोभा यात्रा निकाली जाएगी. छिन्नमस्तिका कमेटी, जुमेराती काली कमेटी, नव युवक व्यापारी दुर्गा उत्सव समिति द्वारा शोभायात्रा की सारी व्यवस्था की जाएगी । शोभा यात्रा कार्यक्रम स्थल से नेहरू पार्क होते हुए श्याम भोजनालय गांधी चौक से हलवाई चोक से सेठानी घाट पहुचेगी जहां माँ नर्मदा की भव्य महाआरती होगी ।

गीता जयंती पर प्रवचन देंगे स्वामी योगेश्वरानंद

9 दिसंबर से शुरु होने वाले 3 दिवसीय गीता जयंती महोत्सव पर इस वर्ष अमरकंटक के स्वामी योगेश्वरानंद प्रवचन देंगे. जानकारी देते हुए गीता जयंती महोत्सव समिति के प्रवक्ता प्रशांत दुबे मुन्नू ने बताया कि प्रतिवर्ष मार्ग शीर्ष शुक्ल एकादशी गीता जयंती के अवसर पर होने वाला तीन दिवसीय ज्ञान सत्र 9 दिसंबर से प्रारंभ होकर 11 दिसंबर को संपन्न होगा. आयोजन समिति की इस हेतु आयोजित बैठक में आयोजन समिति के अध्यक्ष पंडित गिरजा शंकर शर्मा एवं उपस्थित पदाधिकारियों ने समिति की बैठक में आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। स्थानीय तिलक भवन सेठानी घाट पर आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रारंभ में ऋषिकुल संस्कृत विद्यालयके छात्रों द्वारा गीता गायन किया जाएगा। साथ ही स्थानीय गायक कलाकार द्वारा प्रवचन के पूर्व भजनों की प्रस्तुति की जाएगी। समिति के सचिव रविशंकर मिश्रा द्वारा आयोजन पूर्व की तैयारी का बैठक में विवरण प्रस्तुत किया गया ।

किसानों को परेशान करने वाले नर्मदा वेयरहाउस में अब नहीं होगी तौल

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

किसने की फसल को अमानत बढ़कर भंडारण करने में आना-कानी करने वाले नर्मदा बड़ा उसको पड़ा महंगा कलेक्टर ने यहां पर तुलाई और भंडारण बंद करवा दिया। सरकार के द्वारा समर्थन मूल्य पर समितियां के माध्यम से सोयाबीन की खरीदारी कराकर पास के वेयरहाउसों पर तोल करवा कर भंडारण करवाया जा रहा है। पिछले कई दिनों से भंडारण के दौरान नर्मदा वेयरहाउस पर किसानों की उपज

सियलपुर समिति से हो रही थी खरीदारी सर्वेयर को भी किया निलंबित

तुलाई करने के बाद रखने में उन्हें परेशान किया जा रहा था किसानों को परेशान करना नर्मदा वेयरहाउस संचालक को महंगा पड़ गया कलेक्टर ने एसडीएम की रिपोर्ट पर उसको हटा दिया है। सियलपुर

समिति के नर्बदा वेयरहाउस के संचालक द्वारा समिति द्वारा उपार्जन किए गए सोयाबीन को अमानक बताकर वेयरहाउस में प्राप्त करने में असहमति व्यक्त के जा रही थी जिसमे दिनांक 11.11.2024 तक लगभग 25 कृषकों के ट्रेक्टर ट्रॉली खड़ी थी। वेयरहाउस संचालक द्वारा कृषकों के आवक का तौल नहीं होने दिया जा रहा था। किसानों के द्वारा भी एसडीएम से लगातार शिकायत की जा रही थी किसान भी परेशान हो रहे थे कई दिनों तक उनकी ट्रैक्टर ट्राली यहां पर खड़ी रहती थी। एसडीएम ने जांच के बाद वेयरहाउस में तोल रोकने लिए कलेक्टर को जांच प्रतिवेदन भेजा था । कलेक्टर ने किसानों के हित में निर्णय लेते हुए नर्मदा वेयरहाउस पर तत्काल तुलाई बंद करवा दी है। सोमवार को एसडीएम हर्षल चौधरी धरी ने मौके पर पहुंचकर ,समिति प्रबंधक, वेयरहाउसिंग के अधिकारी द्वारा कृषकों से चर्चा कर शीघ्र उनकी समस्या के निराकरण हेतु समझाइए दी गई। कलेक्टर से चर्चा उपरांत संबंधित वेयरहाउस के विरुद्ध पंचनामा बनाया गया एवं उसकी मैपिंग को निरस्त किया गया। समीप में स्थित स्वास्तिक वेयरहाउस के मैपिंग करवाई गई एवं उसमें सभी कृषकों की तुलाई का कार्य प्रारंभ कराया गया। कृषकों से चर्चा उपरांत सर्वेयर की शिकायत प्राप्त हुई जिसपर तत्काल कार्यवाही करते हुए संबंधित सर्वेयर को निलंबित करवाया गया है एवं नवीन सर्वेयर की नियुक्ति करवायी गई है। क्योंकि यहां काम करने वाले सर्वयर के द्वारा भी फसल पास करने के नाम पर किसानों से अवैध वसूली की जा रही थी जिसकी शिकायत भी जांच के दौरान किसानों ने थी।

इनका कहना है

किसानों को परेशान करने वाले नर्मदा वेयरहाउस को बदल दिया है स्वास्तिक पर तोल होगी शिकायत के बाद सर्वेयर को भी हटाया है।
– हर्षल चौधरी एसडीएम

भोपाल रोड पर पट्टे की जमीनों को हड़पकर काटी जा रही है अवैध कॉलोनियां

भू-माफियाओं का सरकारी जमीनों पर कब्जा, प्रशासन मौन, बढ़ रहा संकट

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

शहर के विभिन्न हिस्सों में भू-माफियाओं का नेटवर्क अब सरकारी जमीनों और पट्टे की जमीनों पर कब्जा करके अवैध कालोनियों का निर्माण कर रहा है, और यह सारा मामला प्रशासन के सहयोग से चल रहा है। भ्रष्ट अधिकारियों के साथ मिलकर भू-माफिया शहर की लाखों की किमती जमीनों को नकली दस्तावेजों और भ्रष्टाचार के माध्यम से हड़पने का काम कर रहे हैं। इस गंभीर स्थिति ने शहर के विकास को धक्का तो पहुंचाया ही है, साथ ही प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण पर भी खतरा पैदा कर दिया है। इन अवैध कालोनियों में जल, बिजली, और सड़कें जैसी बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी है, और ये स्थानीय नागरिकों के लिए गंभीर संकट बन चुकी हैं। नागरिकों को पानी, बिजली, और स्वच्छता की समस्या से जूझते हुए इन कालोनियों में जीवन बिताना पड़ रहा है, जबकि प्रशासन कागजी कार्रवाई में उलझा हुआ है। इन अवैध कालोनियों में एक भी सुरक्षा मानक का पालन नहीं हो रहा, और ये प्राकृतिक आपदाओं के लिए भी संवेदनशील बन चुकी हैं।

भू-माफियाओं का अवैध कारोबार

पट्टे की जमीनों पर कब्जा कैसे हो रही हैं रजिस्ट्रियां - वह पट्टे की जमीनें, जो पहले किसानों और गरीबों को दी गई थीं, अब भू-माफिया उन्हें हड़प कर वहां अवैध कालोनियां काट रहे हैं। इन जमीनों पर अवैध निर्माण कर सस्ते दामों में बेचकर, माफिया लाखों रुपये की कमाई कर रहे हैं। सिरोंज में मुख्य रूप से भोपाल रोड पर गरीबों को सरकार ने खेती के लिये पट्टे दिये थे और अब इन लोगों ने सरकारी जमीनों को बेचना शुरू कर दिया है इन जमीनों को भू-माफियाओं द्वारा किसानों से सस्ते दामों पर खरीदा जा रहा है इसके साथ ही पट्टा धारक भी सरकार द्वारा दी गई जमीनों को प्लाट काट कर बेंच रहे है जबकि इन जमीनों को बेचा नहीं जा सकता है फिर किस प्रकार इनकी रजिस्ट्रियां हो रही है सरकार को इन जमीनों को राजस्थ कर अपने कब्जे में लेना चाहिये।

सरकारी जमीनों पर कब्जा

भू-माफियाओं ने सरकारी जमीनों पर कब्जा करके अवैध कालोनियां बना डाली हैं। इन कालोनियों में गली-सड़कें खड़ी की गई, लेकिन न सीवेज सिस्टम है, न बिजली और न ही पानी की व्यवस्था। फिर भी, ये कालोनियां बेहतर सुविधा के नाम पर बेच दी जाती हैं।

कृषि भूमि पर अवैध कालोनियों का निर्माण

कृषि भूमि (एग्रीकल्चर लैंड) पर कब्जा कर के भू-माफिया ने अवैध कालोनियों का निर्माण शुरू कर दिया है। यह कृषि भूमि, जो पहले किसानों की आजीविका का प्रमुख साधन थी, अब भू-माफिया के हाथों अवैध कॉलोनियों में बदल रही है। कृषि भूमि का कानूनी तरीके से इस्तेमाल न करने और उसे मूल उद्देश्य से भटकाने की प्रक्रिया अब एक बड़े संकट का रूप ले चुकी है। सरकारी योजना के तहत दी गई कृषि भूमि को जब अवैध तरीके से कालोनियों में बदला जाता है, तो न केवल कृषि भूमि की उत्पादकता प्रभावित होती है, बल्कि यह पर्यावरणीय संकट भी उत्पन्न करता है। इन अवैध कालोनियों के निर्माण के बाद इन क्षेत्रों में जल स्तर घटता है, प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन होता है, और जैव विविधता भी समाप्त होती जा रही है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि कृषि भूमि पर अवैध निर्माण से किसानों की आजीविका खतरे में है। इन किसानों की जमीनें नाजायज तरीके से कब्जाई जा रही हैं और उन्हें उचित मुआवजा या पुनर्वास भी नहीं दिया जा रहा। यही नहीं, यह स्थिति उस कृषि क्षेत्र के लिए भी खतरनाक साबित हो रही है, जहां पहले से ही उपजाऊ जमीनों की कमी हो रही है और अब यह और भी सीमित होती जा रही है।

भ्रष्टाचार और प्रशासन की नाकामी

यह सारा खेल बिना स्थानीय अधिकारियों के सहयोग के संभव नहीं हो सकता था। आरोप है कि भ्रष्ट अधिकारियों ने इन अवैध निर्माणों को कानूनी मंजूरी दी है, और इसके साक्ष्य भी मौजूद हैं। कई स्थानीय नेताओं की भी मिलीभगत बताई जा रही है, जो इन कालोनियों को मंजूरी दिलाने में सहायक रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों की बिगड़ी हालत

इन अवैध कालोनियों में रह रहे लोग अब भ्रष्टाचार के शिकार हो चुके हैं। लोग जल संकट और बिजली की कटौती से जूझ रहे हैं, और कहीं-कहीं तो स्वच्छता की गंभीर समस्या ने स्वास्थ्य संकट उत्पन्न कर दिया है। लेकिन प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है। इन कालोनियों में निर्माण सामग्री की गुणवत्ता भी बेहद खराब है। ये कालोनियां आकस्मिक दुर्घटनाओं के लिए बिल्कुल असुरक्षित हैं, और भूकंप या बड़ी बारिश जैसी स्थिति में ये सारी कॉलोनियां ढह सकती हैं।

प्रशासन का दुरुपयोग

इन सब के बीच, स्थानीय प्रशासन का रवैया बिल्कुल लापरवाह है। इन अवैध कालोनियों के निर्माण के किसी भी स्तर पर रोक नहीं लगाई जा रही। कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन प्रशासन सिर्फ कागजों तक सीमित है और कोई कार्रवाई नहीं हो रही। अब सवाल यह उठता है कि जब प्रशासन को पूरी जानकारी है कि सरकारी जमीनों पर कब्जा हो रहा है और अवैध कालोनियां बन रही हैं, तो क्यों कड़ी कार्रवाई नहीं की जा रही? क्या प्रशासन भ्रष्टाचार के सामने नतमस्तक है?

अवैध कालोनियों के लिए मंजूरी की प्रक्रिया

कई अवैध कालोनियों के निर्माण के लिए प्रशासन की ओर से जरूरी मंजूरी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। जब भी कोई नई कॉलोनी विकसित की जाती है, तो उसे नगर निगम, टाउन प्लानिंग, और राज्य सरकार से मंजूरी मिलनी चाहिए। यह प्रक्रिया जल आपूर्ति, सीवेज सिस्टम, सड़कें, और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए होती है। लेकिन इन अवैध कालोनियों में से अधिकांश ने न तो जमीन का समुचित सत्यापन किया और न ही आवश्यक स्वीकृति प्राप्त की। इन कॉलोनियों का निर्माण सिर्फ अवैध तरीके से हुआ है, जिससे लाखों लोगों को सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी हो रही है।

जनता की जागरूकता और सवाल

अब शहर की जनता खुलकर सवाल उठाने लगी है कि प्रशासन क्यों इन अवैध कालोनियों पर कार्रवाई नहीं कर रहा। क्या लोकतंत्र में जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है? क्या भ्रष्ट अधिकारियों और भू-माफियाओं का कितना बड़ा गिरोह प्रशासन के भीतर मौजूद है, जो इन अवैध कारोबारों को बढ़ावा दे रहा है

सिरोंज। संत शिरोमणि 1008 नामदेव जी भगवान विट्ठल भगवान हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े उल्लास के साथ मनाया गया नयापुरा माताजी के मंदिर से प्रारंभ होकर कस्टम कतली बाजार सराफा बाजार चांदनी चौक होते हुए मंदिर की ओर प्रस्थान हुआ 8 :00 बजे से हवन पूर्णाहुति पर शादी वितरण किया गया युवा जागृत मंडल नामदेव समाज द्वारा किया गया।

68वीं राष्ट्रीय शालेय ताईक्वांडो प्रतियोगिता का समापन

महाराष्ट्र रहा ओवर ऑल प्रतियोगिता में चौम्पियन

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा 68वीं राष्ट्रीय शालेय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का समापन आज विदिशा के जिला खेल स्टेडियम परिसर में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर की गई उदघोषणा अनुसार इस पूरे टूर्नामेंट में महाराष्ट्र के खिलाड़ियों का दबदबा रहा है। अंडर 14 बालक-बालिका और अंडर 17 बालक-बालिका वर्ग में 32 राज्यों व अन्य संस्थाओं की टीमों के मध्य हुए इस मुकाबले में महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने सर्वाधिक मेडल और अंक हासिल कर ओवर ऑल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया है। इसके अतिरिक्त अंडर 14 बालक-बालिका वर्ग में सीबीएसई की टीम रनर अप रही तथा अंडर-17 बालक-बालिका वर्ग में केरल की टीम रनर अप रही है। राष्ट्रीय शालेय ताइक्विंडो प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय तृतीय स्थान अर्जित करने वाली टीम के खिलाड़ियों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व विधायक मुकेश टंडन, विदिशा जनपद पंचायत अध्यक्ष वीर सिंह रघुवंशी, राकेश शर्मा, कैलाश रघुवंशी, पूर्व विधायक रुद्र प्रताप सिंह सहित अन्य अतिथियों के द्वारा शील्ड प्रदाय कर सम्मानित किया है। इसके पहले विधायक श्री मुकेश टंडन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्पोर्ट्स के क्षेत्र में प्रधानमंत्री जी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। मीडिया ऑफिसर विजय श्रीवास्तव ने ताइक्वांडो प्रतियोगिता उदघोषणा परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि अंडर-14 बालिका वर्ग में पहला स्थान महाराष्ट्र की टीम ने अर्जित किया है। तथा द्वितीय स्थान सीबीएसई और तृतीय स्थान गुजरात की टीम ने प्राप्त किया है। अंडर 14 बालक वर्ग में प्रथम स्थान केवीएस ने द्वितीय स्थान महाराष्ट्र की टीम ने और तृतीय स्थान मध्यप्रदेश की टीम में प्राप्त किया है। अंडर 17 बालिका वर्ग में पहला स्थान महाराष्ट्र ने द्वितीय स्थान केरल ने तृतीय स्थान उत्तराखंड की टीम ने हासिल किया। अंडर 17 बालक वर्ग में पहला स्थान असम द्वितीय स्थान मणिपुर,तृतीय स्थान बिहार की टीम ने हासिल किया है।

बरेंडा प्राथमिक शाला का एसडीएम ने किया निरीक्षण

सिरोंज। सोमवार को एसडीएम हर्षल चौधरी ने बरेंडा में प्राथमिक शाला स्कूल पहुंचे उन्होंने यहां पर मिड डे मील अंतर्गत समूह द्वारा तैयार किए गए भोजन की गुणवत्ता का जायजा लिया गया। समूह द्वारा सोमवार को आलू की सब्जी, पूड़ी एवं खीर बनाई गई थी। गुणवत्ता ठीक मिली इसके बाद उन्होंने बच्चों से भी समूह के भोजन के गुणवत्ता के बारे में पूछताछ की गई एवं बच्चों ने भोजन सही देने की बात की एसडीम ने बच्चों को गुणवत्ता के सामने लेने के निर्देश दिए साफ-सफाई के साथ भोजन बनाया जाए स्कूल में भी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने के लिए शिक्षकों को निर्देश दिए। इसके अलावा एसडीएम ने 70 प्लस के आयुष्मान कार्ड के काम को देखकर काम करने वाले अमले को तेज गति से आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए निर्देश करते हुए कहा कि जिनकी मृत्यु हो गए हैं उनके पंचायत से प्रमाण पत्र बनकर उनके नाम काटने काम किया जाए।

स्कूल में जन चेतना शिविर का आयोजन, एसपी ने सुरक्षा यातायात व सायबर अपराधों बचाव के उपाय साझा किए

सिरोंज। विदिशा जन चेतना शिविर का आयोजन आज सी एम राइज विद्यालय बरई पुरा में किया गया था। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने विद्यालय विद्यार्थियों के साथ अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां सांझा की उन्होंने मुख्य रूप से विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की सुरक्षा व यातायात संबंधी जानकारियां दी हैं। इसके आलावा साइबर अपराधों से कैसे बचें को रेखांकित किया है। पुलिस अधीक्षक काशवानी ने इस दौरान छात्रों के अनेक प्रश्नों के उत्तर बहुत सादगी से दिए उन्होंने बच्चों से यह आवाहन किया कि आप हमेशा यातायात के नियमों का पालन करेंगे और यदि कहीं किसी प्रकार की साइबर ठगी से आप प्रभावित होते हैं तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को देंगे । पुलिस अधीक्षक ने विद्यालय की इको क्लब के विद्यार्थियों के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम में भी सहभागिता की। कार्यक्रम मेंविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य बलराम चौधरी ने आभार व्यक्त किया।

नायब तहसीलदार ने, अवैध रूप से उत्खनन करने वालों की पकड़ी ट्राली

सिरोंज। ग्राम समदपुर में कई दिनों से अवैध रूप खनन किया जा रहा था हर्षल चौधरी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए नायब तहसील ललित सक्सेना और टीम को ग्राम समसपुर में अवैध रूप से हो रहा है उत्खनन पर कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया इसके बाद में नायब तहसीलदार, पटवारी अमले के साथ मौके पर पहुंचे अबैध रूप से उत्खनन करते हुए एक ट्राली को तो उन्होंने पकड़ लिया बाकी मौके से भागने में सफल होगा क्योंकि जिन दलालों के द्वारा अबैध रूप उत्खनन करवाया जाता है उन्हें प्रशासन के अधिकारियों की आने। जानकारी मिल गई थी मौके पर मिली ट्राली को पहुंचनामा बनाकर जप्त करके तहसील कार्यालय में खड़ा किया गया जहां पर एसडीएम के द्वारा जुर्माना प्रस्तावित किया जाएगा ।

मेट्रो एंकर कलेक्टर के निर्देश पर विकासखण्ड सिरोंज कस्बाताल में शिविर आयोजित

160 दिव्यांगों का परीक्षण, प्रमाण पत्र जारी होंगे

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में जिले के सभी दिव्यांगजनों के स्वास्थ्य परीक्षण कर ऐसे दिव्यांगजन जिनके पास निःशक्तता प्रमाण पत्र नहीं है उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता से मेडिकल बोर्ड के माध्यम से निःशक्तता प्रमाण पत्र जारी करने हेतु विशेष शिविरो का आयोजन विकासखण्डो में आयोजित किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुसार सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से संपादित किए जा रहे कार्यो की जानकारी देते हुए विभाग के उप संचालक पंकज जैन ने बताया कि मंगलवार 12 नवम्बर को सिरोंज विकासखण्ड की प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कस्बाताल में शिविर का आयोजन किया गया था यहां मेडिकल बोर्ड के चिकित्सकों द्वारा 160 दिव्यांगजनों का परीक्षण कर उन्हें दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने के संबंध में कार्यो का संपादन किया गया है। इसके अलावा ग्राम के 80 लोगो के स्वास्थ्य का परीक्षण भी किया गया है।

उप संचालक पंकज जैन ने बताया कि आगामी ततसंबंधी शिविर जनपद पंचायत लटेरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लटेरी में 19 नवम्बर को आयोजित किया जाएगा जबकि जनपद पंचायत नटेरन के उप स्वास्थ्य केन्द्र पीपलधार में 27 नवम्बर को शिविर आयोजित किया जाएगा जिसमें मेडिकल बोर्ड के माध्यम से दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी करने के कार्य संपादित किए जाएंगे।

राजीव गांधी अस्पताल से मोटरसाइकिल हुई चोरी

अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई वारदात

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

शासकीय राजीव गांधी जन चिकित्सालय के परिसर में खड़ी डच40 डज7129 को चोरों ने चोरी कर लिया चोर की वारदात अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे में कैद गई। विशाल कुशवाहा ने अपनी मटरसाइकिल अस्पताल के परिसर से चोरी की सूचना पुलिस को दी गई पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर को पकड़ने में लगी है। इससे पहले भी कई मोटरसाइकिल है चोरी हो चुकी है। चोरों के द्वारा मौके का फायदा उठाकर इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जाता है।

टायसन की सेहत पर उठे सवाल, रद्द हो सकती है जैक पॉल के साथ फाइट

टेक्सास (अमरीका). अमरीका के महान मुक्केबाज माइक टायसन चार साल बाद एकबार फिर रिंग में उतरने जा रहे हैं। इस फाइट के लिए पूर्व मुक्केबाज ने ना सिर्फ 45 किग्रा वजन घटाया है बल्कि वह जिम में भी कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद 15 नवंबर को यूट्यूबर और मुक्केबाज जैक पॉल के साथ होने वाली उनकी फाइट पर खतरा मंडरा रहा है। इसकी वजह टायसन की सेहत, जो कुछ महीने पहले ही अल्सर जैसी खतरनाक बीमारी से उबरे हैं।

फाइट का प्रारूप: टायसन और जैक पॉल के बीच यह फाइट जुलाई में होनी थी, लेकिन टायसन की खराब सेहत के कारण रद्द कर दी गई थी। इस फाइट में दो-दो मिनट के कुल आठ राउंड खेले जाएंगे। हालांकि टायसन को उम्मीद है कि वह नॉकआउट जीत हासिल करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, टेक्सास के लाइसेंसिंग और विनियमन विभाग ने टायसन और जैक पॉल की फाइट को मंजूरी दे दी है। लेकिन फाइट से पहले एक मेडिकल पैनल टायसन का पूर्ण रूप से शारीरिक परीक्षण करेगा।

प्रो मुक्केबाजी: 15 को टेक्सास में होने वाले मुकाबले से पहले मेडिकल पैनल करेगा जांच

टायसन बोले- अस्पताल नहीं रिंग में मरना चाहता हूं...

टायसन ने हाल में खुलासा किया कि डॉक्टरों ने उन्हें रिंग में नहीं उतरने की सलाह दी है क्योंकि पुरानी बीमारी के कारण उनकी जान भी जा सकती है। टायसन ने कहा, मैं अस्पताल में नहीं बल्कि रिंग में मरना चाहता हूं। मैं गौरव की एक छोटी जिंदगी जीना पसंद करूंगा। माइक टायसन को इस फाइट के लिए रिंग में उतरने पर 40 मिलियन डॉलर यानि 337 करोड़ रुपए मिलेंगे। यदि वह चार राउंड से ज्यादा मुकाबला खेलते हैं तो इसमें पांच मिलियन डॉलर (42.19 करोड़ रुपए) का इजाफा और हो जाएगा।

इंडिया-साउथ अफ्रीका का तीसरा टी-20 आज

सेंचुरियन में 6 साल बाद भिड़ेंगी दोनों टीमें

सेंचुरियन, एजेंसी

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी-20 सीरीज का तीसरा मैच आज सेंचुरियन में खेला जाएगा। सुपरस्पोर्ट पार्क स्टेडियम में मैच रात 8:30 बजे शुरू होगा, टॉस रात 8 बजे होगा। भारत यहां 6 साल बाद टी-20 मैच खेलेगी, 2018 में टीम को होम टीम से हार मिली थी। 4 टी-20 की सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर है। भारत ने पहला मैच 61 रन और साउथ अफ्रीका ने दूसरा मैच 3 विकेट से जीता था। सीरीज का आखिरी मैच 15 नवंबर को जोहान्सबर्ग में होगा।

हेड टु हेड में भारत आगे भारत और साउथ अफ्रीका के बीच अब तक 29 टी-20 खेले गए। 16 में भारत और 12 में साउथ अफ्रीका को जीत मिली। दोनों के बीच एक मैच बेनतीजा भी रहा। दोनों के बीच इस साल के टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल भी हुआ था, जिसमें भारत को जीत मिली थी। सेंचुरियन में दोनों के बीच पिछला मुकाबला 2018 में हुआ था, तब होम टीम को 6 विकेट से जीत मिली थी। साउथ अफ्रीका में दोनों ने 22 टी-20 खेले, 12 में भारत और 9 में होम टीम को जीत मिली। एक मैच बेनतीजा भी रहा। रमनदीप कर सकते हैं डेब्यू दूसरे टी-20 में टीम इंडिया की बैटिंग कमजोर नजर आई थी। 6 विकेट गिरने के बाद अर्शदीप सिंह को बैटिंग करने आना पड़ा, जो आम तौर पर 8 या 9 विकेट गिरने के बाद बैटिंग करते हैं। ऐसे में टीम आज बैटिंग बढ़ाने के लिए आउट ऑफ फॉर्म अभिषेक शर्मा की जगह रमनदीप सिंह को प्लेइंग-11 में शामिल कर सकती है। रमनदीप ने अब तक डेब्यू नहीं किया है। चक्रवर्ती

सीरीज के टॉप विकेट टेकर 2 मैचों में भारत के लिए वरुण चक्रवर्ती 8 विकेट झटक चुके हैं। उन्होंने दूसरे मुकाबले में भी 5 विकेट लेकर भारत की झोली में मैच डाल दिया था। वहीं संजू सैमसन सीरीज के टॉप रन स्कोरर हैं, उन्होंने पहले मैच में सेंचुरी लगाई थी।

स्टब्स ने जिताया था होम टीम को दूसरा मैच ट्रिस्टन स्टब्स ने दूसरे मैच में 47 रन बनाकर साउथ अफ्रीका को जीत दिलाई थी। वह टीम के टॉप रन स्कोरर हैं। जेराल्ड कूट्जी टीम के टॉप विकेट टेकर हैं, जिनके नाम 4 विकेट हैं। उन्होंने पहले मैच में 3 विकेट लिए थे। टीम अपनी प्लेइंग-11 नहीं बदलेगी। वेदर कंडीशन सेंचुरियन में बुधवार को बारिश की कोई संभावना नहीं है। टेम्परेचर 16 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। पिछले 2 टी-20 में भी बारिश की वजह से कोई परेशानी नहीं हुई थी। पिच रिपोर्ट सेंचुरियन में अब तक 14 टी-20 खेले गए, 7 बार पहले बैटिंग और 7 ही बार पहले बॉलिंग करने वाली टीमों को जीत मिली।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेल सकते हैं तेज गेंदबाज शमी

नईदिल्ली. एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 नवंबर से शुरू हो रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खेल सकते हैं। उन्हें 25 अक्टूबर को जारी स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया था। सूत्रों ने बताया है कि भारतीय टीम मैनेजमेंट ने 34 साल के तेज गेंदबाज को मध्यप्रदेश के खिलाफ 13 नवंबर से इंदौर में होने जा रहे बंगाल के रणजी मैच में खेलने को कहा है। इतना ही नहीं, इस मुकाबले में शमी की फिटनेस को परखने के लिए एक चयनकर्ता को भी भेजा है। यदि शमी 4 दिनी मुकाबले में अपनी फिटनेस साबित कर देते हैं, तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए बुलाया जाएगा। शमी शमी ने अपनी वापसी को लेकर सोशल मीडिया हैंडल पर कहा, 360 दिन बहुत लंबा समय है। रणजी ट्रॉफी के लिए पूरी तरह तैयार हूं। डोमेस्टिक स्टेज पर अब उसी जुनून और एनर्जी के साथ खेलूंगा। आइए इस सीजन को यादगार बनाए। शमी को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टीम में चुने जाने की उम्मीद थी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले शमी की फिटनेस पर कड़ी नजर रखी जा रही थी।

दमदार प्रदर्शन: धोनी को भायी युवा खिलाड़ी की बल्लेबाजी

सीएसके 17 वर्षीय आयुष पर लगा सकती है बड़ा दांव, रणजी मैच में ठोका था शतक

नईदिल्ली. एजेंसी

आइपीएल के अगले सीजन के लिए दिसंबर में मेगा नीलामी होने वाली है। इससे पहले इस लीग में खेलने वाली सभी 10 फ्रेंचाइजी ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। स्टार खिलाड़ियों के अलावा फ्रेंचाइजी की नजरें युवा खिलाड़ियों पर भी रहती हैं। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स की नजरें मुंबई के 17 वर्षीय बल्लेबाज आयुष म्हात्रे पर है, जो युवा सनसनी हैं। आयुष ने इस साल मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी में पदार्पण किया था और अपने दूसरे ही मैच में शतक लगाकर सुर्खियां बटोरी थीं। चेन्नई सुपरकिंग्स को पांच बार आइपीएल खिताब दिलाने वाले पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को आयुष की बल्लेबाजी ने काफी प्रभावित किया है। एक रिपोर्ट के तहत, धोनी और चेन्नई सुपरकिंग्स की टैलेंट सर्च टीम को आयुष का खेल काफी पसंद आया। इसके बाद सीएसके के टीम प्रबंधन ने आयुष को ट्रायल के लिए बुलाने का फैसला किया। चेन्नई सुपरकिंग्स फ्रेंचाइजी के अधिकारियों ने मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के सचिव को फोन किया और बताया कि उनकी युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे में रुचि हैं और वे उनका ट्रायल लेना चाहते हैं। इसके बाद, एमसीए ने आयुष को छह दिन के लिए चेन्नई जाकर ट्रायल में जाने की अनुमति दी।

भारत ने मलेशिया को 4-0 से दी शिकस्त

पटना। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई चैंपियनशिप में शानदार आगाज किया और पहले मैच में मलेशिया को 4-0 से शिकस्त दी। मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम के लिए सर्वाधिक दो गोल संगीता कुमारी ने किए। उन्होंने आठवें और 55वें मिनट में पेनल्टी पर गोल किया। वहीं, प्रीति दुबे ने 43 और उदिता ने 44वें मिनट में गोल दागा। भारतीय टीम ने शुरुआत से ही मलेशिया पर दबाव बनाया। भारतीय टीम का अगला मुकाबला दक्षिण कोरियाई टीम से होगा। टूर्नामेंट के अन्य मुकाबलों में चीन ने थाइलैंड को 15-0 से करारी शिकस्त दी। हालांकि जापान को दक्षिण कोरिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मेट्रो बाजार

देश की आधी युवा महिलाओं के पास न तो काम और न ही कौशल

36 फीसदी से अधिक राजस्थानी, तो 44.3 फीसदी मप्र की महिलाएं न तो रोजगार में और न ही कोई प्रशिक्षण ले रहीं

नईदिल्ली. एजेंसी

ऊर्जा से भरपूर देश की करीब आधी युवा महिलाएं किसी भी उत्पादक गतिविधि में शामिल नहीं हैं। वे न तो पढ़ रही हैं, न रोजगार में हैं और न ही कोई प्रशिक्षण ले रही हैं। सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, युवा आबादी के एक बड़े हिस्से के पास न तो कोई काम है और न ही वे खुद को निखार रहे। सांख्यिकी मंत्रालय की वार्षिक माड्यूलर सर्वेक्षण 2022-23 (कैम्स रिपोर्ट) के मुताबिक, 15 से 29 साल की करीब 44.6 फीसदी महिलाओं के पास कोई काम नहीं है। वो कुछ भी ऐसा नहीं कर रहीं, जिससे हुनरमंद या आत्मनिर्भर बन सकें। वहीं इसी आयुवर्ग में 8 फीसदी पुरुषों का भी यही हाल है। यह आंकड़ा इसलिए ज्यादा चिंताजनक है, क्योंकि 15-29 वर्ष का आयु वर्ग ऐसा है, जिसमें भारत में सबसे ज्यादा युवा हैं। एक अनुमान के अनुसार, देश में करीब 38 करोड़ की आबादी इस आयु वर्ग में है, जिनमें 48 फीसदी आबादी महिलाओं की मानें तो देश में 15 से 29 साल की 18.5 करोड़ युवतियां हैं। इनमें से 44.6 फीसदी खाली या प्रशिक्षण से दूर हैं। इसका मतलब 8 करोड़ से भी अधिक युवतियां कुछ भी ऐसा नहीं कर रही हैं, जो अर्थव्यवस्था को मजबूती देता हो। यह संख्या जर्मनी की पूरी आबादी के बराबर है। शहर हो या गांव, महिलाओं की स्थिति एक समान है। ग्रामीण क्षेत्र में 8.4 फीसदी युवा और 46.6 फीसदी युवतियां उपरोक्त तीन में से किसी एक गतिविधि में शामिल नहीं हैं। शहरी क्षेत्रों में ऐसे युवा 7.1 फीसदी और युवतियां 39.8 फीसदी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह रिपोर्ट दर्शाता है कि अब भी शिक्षा में महिलाओं के साथ भेदभाव की खाई गहरी है। यदि वह शिक्षित नहीं होंगी तो उसके अगले चरणों प्रशिक्षण और रोजगार में भी वे पीछे ही रहेंगे।

एसआइपी से निवेश पहली बार 25,000 करोड़ पार, गोल्ड ईटीएफ की बढ़ी चमक

मुंबई. एजेंसी

अमरीकी चुनाव को लेकर जारी अनिश्चितता, चीन के राहत पैकेज से भारतीय बाजार से विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली और एफएंडओ पर सेबी की सख्ती से अक्टूबर में भारतीय शेयर बाजार में 6 फीसदी की गिरावट आई। इसका फायदा उठाने के लिए खुदरा व छोटे निवेशकों ने म्यूचुअल फंड्स के जरिए रेकॉर्ड निवेश किया। इक्विटी फंड्स में अक्टूबर के दौरान 41,887 करोड़ का निवेश हुआ, जो सितंबर की तुलना में 21 फीसदी ज्यादा है। इस दौरान एसआइपी से पहली बार निवेश 25,000 करोड़ के पार निकला और गोल्ड ईटीएफ में भी अब तक का ज्यादा निवेश आया। म्यूचुअल फंड्स के संगठन एम्फी की ओर से जारी किए डेटा के मुताबिक, म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में अक्टूबर माह के दौरान कुल 2.40 लाख करोड़ रुपए का निवेश आया। यह ताबड़तोड़ निवेश डेट स्कीमों में 1.57 लाख करोड़ रुपए के निवेश की वजह से आया। एसआइपी के खातों की संख्या 10.12 करोड़ के पार पहुंच गई।

यह भी जानें: 67.25 लाख करोड़ रहा म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का कुल एयूएम, एयूएम सितंबर, 2024 के बराबर ही रहा1,57,402 करोड़ रुपए का निवेश आया डेट फंड्स में, जिसमें सितंबर में 1,13,834 करोड़ की निकासी हुई थी16863 करोड़ का निवेश हाइब्रिड फंड्स में तो इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ में आया 23,428 करोड़ रुपए का निवेश21.65 करोड़ हुए कुल म्यूचुअल फंड खाते अक्टूबर में, इनमें छोटे निवेशकों के 17.23 करोड़ म्यूचुअल फंड फोलियो

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

आमिर खान बोले- 'पठान' में ट्रेन सीक्वेंस ने युवा अभिनेताओं को किया निराश!

आमिर खान ने फिल्म 'पठान' में शाहरुख खान और सलमान खान के ट्रेन सीक्वेंस पर बात की है। अभिनेता को सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी फिल्म पर चुटकी लेते देखा गया है। आमिर खान इन दिनों अपनी अगली फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच सुपरस्टार कई इंटरव्यू का हिस्सा बनते और दिलचस्प खुलासे किए इसी कड़ी में अब आमिर ने सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित साल 2023 की फिल्म 'पठान' को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है।

आमिर खान ने फिल्म में शाहरुख खान और सलमान खान के ट्रेन सीक्वेंस पर बात की, साथ ही कुछ ऐसा कह दिया जिससे हर कोई दंग रह गया। अभिनेता आमिर खान ने हाल ही में 'पठान' में शाहरुख खान और सलमान खान के ट्रेन सीक्वेंस पर टिप्पणी की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि इस सीन ने कई युवा अभिनेताओं को थोड़ा निराश कर दिया होगा। आमिर ने कहा, मुझे वह सीन वाकई में मजेदार लगा। आमिर खान ने अपने बयान में जोड़ा, मैंने वह फिल्म नहीं देखी है, लेकिन मैंने वह सीन देखा है। आपको आजकल इंस्टाग्राम वगैरह पर क्लिप मिल जाती हैं, इस तरह मैंने वह सीन देखा। यह काफी मजेदार है। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट ने दोनों की हरकतों के बारे में बात करना जारी रखा। उन्होंने कहा, सभी युवा अभिनेता इस सीन को देखने के बाद थोड़े निराश जरूर हुए होंगे। हालांकि, आप सलमान और शाहरुख से भी निराश नहीं हो सकते हैं इसलिए क्या ही कर सकते हैं। बताते चलें कि इस एक्शन सीन में शाहरुख और सलमान खलनायकों से लड़ने के बाद आराम से बैठकर इस बात पर चर्चा करते हैं कि उनके बाद भारतीय सिनेमा की बागडोर कौन संभालेगा?

आमिर खान का वर्कफ्रंट

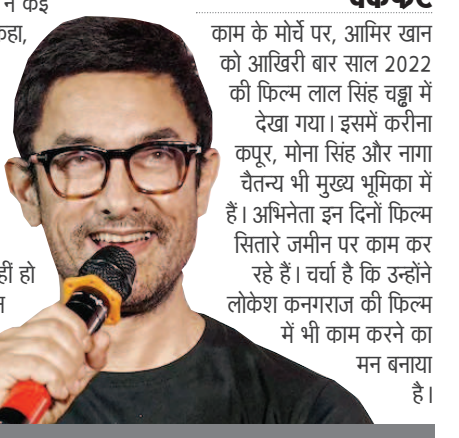

काम के मोर्चे पर, आमिर खान को आखिरी बार साल 2022 की फिल्म लाल सिंह चड्ढा में देखा गया। इसमें करीना कपूर, मोना सिंह और नागा चैतन्य भी मुख्य भूमिका में हैं। अभिनेता इन दिनों फिल्म सितारे जमीन पर काम कर रहे हैं। चर्चा है कि उन्होंने लोकेश कनगराज की फिल्म में भी काम करने का मन बनाया है।

धोखा मिलने के बाद किरण के प्यार में पड़े अनुपम खेर, बोले- *यह एक कहानी है...*

अनुपम खेर ने खुलासा किया कि वह और उनकी पत्नी, अभिनेता और राजनीतिज्ञ किरण खेर, प्यार में पड़ने और शादी करने से पहले 10 साल तक सबसे अच्छे दोस्त थे। अनुपम खेर इन दिनों अपनी फिल्म विजय 69 को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। अभिनेता अपने अभिनय करियर के शुरुआती सालों के संघर्षों के बारे में खुलकर बात करने से कभी नहीं कतराते। अब हाल ही में, अभिनेता ने किरण राव के साथ अपनी प्रेम कहानी को लेकर खुल कर बात की है। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है। लगभग 40 साल से शादीशुदा यह कपल चंडीगढ़ में अपने कॉलेज के दिनों में दोस्त बना था। हालांकि, उन्हें शायद ही पता था कि उनकी दोस्ती सालों बाद रोमांस में बदल जाएगी। अपने-अपने असफल रिश्तों से उबरने के बाद, अनुपम और किरण ने एक-दूसरे की संगति में सुकून पाया और उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई। जैसा कि अनुपम ने बताया उनके खास दिन की शुरुआत गुड़गांव के एक आश्रम में एक साधारण शादी समारोह से हुई थी। अनुपम खेर ने याद किया, गुड़गांव में एक आश्रम है, वहीं हमारी शादी हुई। इससे पहले मैं पुणे में एक फिल्म की शूटिंग कर रहा था और मैं एक दिन पहले ही शादी के लिए गुड़गांव पहुंच गया था।

अमिताभ ने निम्रत कौर को लिखी चिट्ठी, अभिनेत्री के घर भेजा गुलदस्ता

अभिषेक बच्चन यूं तो इन दिनों अपनी आगामी फिल्म आई वांट टू टॉक को लेकर खबरों में हैं। मगर इसके साथ-साथ चर्चा में वे अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी छाए हुए हैं। निम्रत कौर के साथ उनका नाम जोड़ा जा रहा है। इस बीच एक पुरानी चिट्ठी वायरल हो रही है, जो कभी अमिताभ बच्चन ने निम्रत कौर को लिखी। अभिषेक बच्चन और निम्रत कौर के कथित लिंकअप की खबरें इन दिनों सुर्खियों में हैं। दोनों का नाम जोड़ा जा रहा है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में तो ऐसे दावे भी किए गए कि अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय के बीच तलाक की नौबत आ गई है। हालांकि, फिलहाल सब अफवाह है और इन्हीं अफवाहों के बीच अमिताभ बच्चन की एक पुरानी चिट्ठी वायरल हो चली है। इसमें बिग बी ने निम्रत कौर की जमकर तारीफ की है। निम्रत कौर और अभिषेक बच्चन ने फिल्म दसवी में साथ काम किया। साल 2022 में आई इस फिल्म में निम्रत का अभिनय अमिताभ बच्चन को इतना पसंद आया कि वे तारीफ करने से खुद को नहीं रोक सके। उन्होंने निम्रत के लिए हाथ से चिट्ठी लिखकर उनकी तारीफ की। चिट्ठी के साथ साथ ही उन्होंने अभिनेत्री के घर फूलों का गुलदस्ता भी भेजा। अमिताभ बच्चन ने निम्रत की तारीफ करते हुए लिखा, हमारी मुश्किल से ही बातचीत या मीटिंग हुई होगी। यश राज फिल्म्स के इवेंट में पिछली बार शायद एक एड के लिए कॉम्प्लिमेंट दिया था। लेकिन दसवीं में आपका काम बहुत शानदार है...बारीकियां, जेस्चर, सबकुछ। मेरी तरफ से बहुत बधाई और काम के लिए सराहना। बिग बी से मिली तारीफ के बाद निम्रत की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने बाकायदा इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर खुश जताई। उन्होंने लिखा, मैं जब 18 साल पहले मुंबई आई, तो ये कल्पना करना मुश्किल था कि किसी दिन अमिताभ बच्चन मुझे मेरे नाम से जानेंगे। हमारी मुलाकात को याद करेंगे और मेरे एड के लिए मेरी तारीफ करेंगे।

चेकिंग के दौरान शातिर बदमाश से चोरी के दोपहिया वाहन बरामद

अन्य वारदातों के खुलासे के आसार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की बाइक और स्कूटर जब्त की है। दोनों ही वाहनों की चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

पुलिस आरोपी से वाहन चोरी की अन्य घटनाओं को लेकर पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी रूपेश दुबे ने बताया कि वाहन चोरी की घटनाओं को रोकने और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम लगाई गई थी। यह टीम नई जेल रोड पर वाहनों की चैकिंग कर रही थी, तभी एक युवक होंड साईन बाइक पर आते हुए

दिखाई दिया। पुलिस टीम को देखकर बाइक सवार ने भागने का प्रयास किया, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया।

पूछताछ करने पर युवक ने अपना नाम मोहम्मद अंसार (33) निवासी बीडीए कालोनी, अब्बास नगर थाना गांधी नगर बताया। बाइक को लेकर पूछताछ करने पर बताया कि कुछ समय पहले निशातपुरा से चोरी किया था।

आगे पूछताछ पर नारियलखेड़ा गौतम नगर से चोरी की गई एक सफेद रंग की स्कूटर उसकी निशानदेही पर एयरोसिटी रोड से जब्त की गई। वाहन चोरी की अन्य घटनाओं को लेकर आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

महिला को राजस्थान में बेहने का आरोप, हबीबगंज क्षेत्र का मामला

मानव तस्करी का आरोपी भागने की फिराक में हुआ गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज पुलिस ने मानव तस्करी के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। वह भोपाल से छोड़कर पीथमपुर जाने वाला था। आरोपी की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इस प्रकरण के अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

जानकारी के अनुसार हबीबगंज इलाके में रहने वाली एक महिला शादी पार्टी में खाना बनाने का काम करती थी। फरवरी 2024 में साथ काम करने वाली दो महिलाओं ने उसे शहर से बाहर काम पर चलने का बोला था। महिला तैयार हो गई तो दोनों महिलाएं और उनके साथी उसे राजस्थान लेकर पहुंचे। यहां एक देवीलाल गर्ग नामक एक व्यक्ति के पास महिला को बेच दिया और बाकी लोग वापस भोपाल लौट आए।

देवीलाल ने महिला के साथ दुष्कर्म किया

गिरफ्तारी पर घोषित था 10 हजार का इनाम

और पत्नी बनाकर रख लिया। महिला ने जब इसका विरोध किया तो उसने उसे कमरे में बंधक बनाकर रखा। इधर महिला के गायब होने के बाद परिजनों ने हबीबगंज थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। सितंबर महीने में दस्तयाब हुई महिला महिला की तलाश में जुटी टीम ने सितंबर के महीने में उसे राजस्थान से दस्तयाब किया था।

इस मामले में आरोपी देवीलाल गर्ग निवासी राजस्थान, छाया देशमुक निवासी मल्टी हबीबगंज, पूजा धानक निवासी बीडीए मल्टी के पास हबीबगंज, संतोष भालेराव निवासी दशहरा मैदान टीनशेड टीटी नगर को गिरफ्तार किया था। उसके बाद शादी करवाने वाले पंडित हिम्मतलाल पालीवाल निवासी राजसमंद राजस्थान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। प्रकरण का एक आरोपी मनोज उर्फ मुकेश भालेराव निवासी टीनशेड टीटी नगर फरार चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी पर दस हजार रुपये का इनाम घोषित था। मंगलवार को पुलिस ने उसे रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से दबोच लिया। वह ट्रेन में बैठकर पीथमपुर जाने वाला था।

दो असली मोती बेचकर नकली सोना थमाया, सात लाख में तय हुआ था सौदा

सस्ते के नाम पर नकली सोना बेचकर व्यापारी से एक लाख रुपए की ठगी

ऐशबाग थाना क्षेत्र का मामला, एक गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित पुष्पा नगर में नकली सोना बेचकर व्यापारी से एक लाख की ठगी का मामला सामने आया है।

दरअसल, व्यापारी की दुकान पर पहुंचे आरोपियों ने उन्हें दो असली सोने के मोती दिखाए थे। इसके बाद नकला सोना दिखाकर सात लाख रुपए में बेचने का सौदा कर लिया। सोना व्यापारी ने ज्वैलर्स को दिखाया तो पता चला कि केवल दो ही मोती असली है, बाकि सामान पर सोने का पॉलिस चढ़ा है। व्यापारी की शिकायत पर ऐशबाग पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर एक आरोपी को दबोच लिया, जबकि जालसाज दंपती की तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार 51 साल के नीलेश पंजाबी, पुष्पा नगर ऐशबाग में रहते हैं। वे गैस चूल्हे रिपेयरिंग का काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत 3 नवंबर को उनकी दुकान पर दो?व्यक्ति पहुंचे और उन्होंने अपने पास रखा सोना दिखाते हुए सस्ते दाम में बेचने की

बात कही। आरोपियों ने उन्हें दो असली सोने के मोती दिए और कहा कि उनके पास और भी सोना रखा हुआ है। जालसाजों की बातों में आकर नीलेश पंजाबी ने दोनों सोने के मोती लिए और उन्हें ज्वैलर्स के पास चेक कराया। दोनों मोती असली निकले। नीलेश पंजाबी ने जालसाजों से कहा कि वह और सोना खरीद लेगा। जालसाजों को उसने एक लाख रुपए दे दिए। बाकि सोने का सौदा 7 लाख रुपए में तय हुआ था। नीलेश ने आरोपियों में एक आरोपी का मोबाइल नंबर ले लिया था।

चेक कराने पर निकला नकली – आरोपी दुकान पर ही नहीं उनके घर भी पहुंच गए थे और हार समेत अन्य जेवरात दे दिए। सौदे के तहत छह लाख रुपए और देने थे, लेकिन नीलेश ने कहा कि वह यह सोना चेक कराने के बाद पैसे देगा। लिहाजा सोना लेकर नीलेश ने ज्वैलर्स के पास चेक कराया। वहां पता चला कि सोना नकली है। नीलेश ने घटना की शिकायत तत्काल ऐशबाग पुलिस को की थी। पुलिस प्रकरण दर्ज करते हुए आरोपी के नंबर के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी बाबू भाई निवासी अहमदाबाद बताया जा रहा है। वह अपने रिश्तेदार प्रेम निवासी गांधी नगर के पास आया था। प्रेम उसकी पत्नी और बाबू मिलकर इस तरह की ठगी की वारदात कर थे। आरोपी पूर्व में कमला नगर थाना क्षेत्र में भी पकड़े जा चुके हैं।

मैरिज गार्डन का पार्किंग से मोटर सायकिल चोरी

भोपाल। कोहेफिजा स्थित एक मैरिज गार्डन की पार्किंग में खड़ी मोटर सायकिल चोरी चली गई। कई अन्य स्थानों से भी बदमाश दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए हैं। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है, लेकिन फिलहाल एक भी वारदात का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस के मुताबिक सैयद जैद अहमद (24) रेतघाट तलैया में रहते हैं और छावनी मंडी में पान की दुकान चलाते हैं। पिछले दिनों वह अपने पड़ोसी की मोटर सायकिल होंडा साईन लेकर लालघाटी स्थित मैरी गोल्ड शादी गार्डन एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने बाइक गार्डन की पार्किंग में खड़ी की और अंदर चले गए। रात करीब साढ़े ग्यारह बजे बाहर निकले तो पार्किंग में खड़ी बाइक गायब हो चुकी थी। कई दिनों तक तलाश करने के बाद भी जब बाइक का कुछ पता नहीं चला तो थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर हबीबगंज थानांतर्गत मेट्रो प्लाजा के सामने खड़ी राजेश कुमार मिश्रा और अरेरा कालोनी से प्रमोद की बाइक चोरी चली गई।

चोरी करते कैमरे में कैद हुआ बदमाश

भोपाल। अशोका गार्डन स्थित एक कंपनी का ताला तोड़कर चोर दराज में रखे पांच हजार रुपये चोरी कर ले गया। कैमरे में घटना देखने के बाद महिला कंपनी पहुंचे तो आरोपी भाग चुका था। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक नरेंद्र कुमार (44) कैलाश नगर सेमरा में रहते हैं और औद्योगिक क्षेत्र अशोका गार्डन में प्रिंटर्स एण्ड पब्लिसर कंपनी चलाते हैं। रविवार की शाम करीब सात बजे वह कंपनी में ताला लगाकर घर चले गए थे। रात करीब ग्यारह बजे अपने मोबाइल पर कंपनी के कैमरे चेक कर रहे थे तभी एक व्यक्ति उनके कार्यालय की दराज खोलता हुआ दिखाई पड़ा। वह तुरंत ही परिजनों को लेकर कंपनी पहुंचे तो मेन गेट का ताला और आफिस के किचन की तरफ वाली खिड़की टूटी मिली। अंदर जाकर देखा तो सभी टेबिलों की दराज खुली और सामान बिखरा पड़ा था। दराज में रखे करीब पांच हजार रुपये गायब थे। उन्होंने आसपास देखा, लेकिन तब तक बदमाश गायब हो चुका था। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। शासकीय स्कूल से हजारों का सामान चोरी गांधी नगर स्थित शासकीय स्कूल से चोर हजारों रुपये कीमत का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस के मुताबिक अवधेश प्रसाद (60) लवकुश नगर अवधपुरी में रहते हैं और गांधी नगर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में शिक्षक हैं। सोमवार को स्कूल का स्टाफ पहुंचा तो अंदर के ताले टूटे मिले। बदमाशों ने कुर्सी, पंखे, बर्तन, गैस चूल्हा समेत अन्य सामान चोरी कर लिया था। अनुमान है कि बदमाश यह सामान किसी लोडिंग वाहन में लादकर ले गए होंगे।

रोड एक्सीडेंट में बाइक सवार युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सूखी सेवनिया इलाके में एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि साथी गंभीर रूप से घायल हुआ है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। घायल साथी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक प्रेम अहिरवार (42) भानपुर छोला मंदिर में रहता था और प्राइवेट काम करता था। सोमवार को वह अपने साथी गोलू खटीक के साथ काम से सूखी सेवनिया गया था। शाम करीब छह बजे दोनों बाइक पर सवार होकर भोपाल लौट रहे थे। सूखी सेवनिया स्थित बिजली कार्यालय के पास तेज रफ्तार अज्ञात चार पहिया वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डाक्टरों ने प्रेम अहिरवार को मृत घोषित कर दिया। फिलहाल टक्कर मारने वाले वाहन का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मार्ग में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

एक्सीडेंट में घायल युवक की मौत भोपाल, 12 नवंबर। बैरसिया इलाके में एक्सीडेंट में घायल हुए एक युवक की इलाज के दौरान

गंभीर हालत में साथी का चल रहा इलाज

निजी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक रिहान खां पुत्र रऊफ खां (20) ग्राम ललरिया थाना बैरसिया का रहने वाला था। बीती 31 अक्टूबर की सुबह करीब साढ़े पांचे बजे ललरिया इलाके में उसका एक्सीडेंट हो गया था। उसे गंभीर घायल अवस्था में इलाज के लिए डीआईजी बंगला भोपाल स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां मंगलवार तड़के करीब तीन बजे उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। कुएं से बरामद हुई युवक की लाश भोपाल, 12 नवंबर। बैरसिया पुलिस ने कुएं से एक युवक की लाश बरामद की है। वह कुछ देर पहले ही घर से निकला था। प्रारंभिक तौर पर इसे हादसा माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार असलम खां पुत्र अनीस खां (25) ग्राम इमलिया नरेंद्र का रहने वाला था। सोमवार को परिवार वाले खेत पर बोनी करने के लिए गए थे, जबकि असलम घर पर था। शाम करीब चार बजे पता चला कि असलम घर पर नहीं है। उसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। घर से कुछ दूरी पर स्थित कुएं में देखने पर वह अंदर पड़ा मिला।

नाबालिग से पड़ोसी ने घर में घुसकर किया दुष्कर्म

भोपाल। हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित चार इमली के पास झुग्गी बस्ती में रहने वाली चौदह साल की नाबालिग से पड़ोसी द्वारा दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना गत 8 नवंबर की है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ बलात्कार और पाक्सो एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार चौदह साल की नाबालिग इलाके की एक झुग्गी बस्ती में रहती है और स्कूली छात्रा है। वह परिजन के साथ थाने पहुंची और शिकायत करते हुए बताया कि उसके पड़ोस में आदि विश्वकर्मा रहता है। वह उसे करीब छह महीने से परेशान कर रहा है और उसका आते जाते समय पीछा करता है। पीड़िता घटना की जानकारी अपने परिजन को भी दे चुकी थी। परिजन ने आदि को समझाया, लेकिन उसकी हरकतें सुधर नहीं रही थी। गत 8 नवंबर को आरोपी नाबालिग को अपने घर जबरन खींचकर ले गया और वहां उससे के साथ दुष्कर्म किया।

गिरफ्तारी: दुष्कर्म का आरोपी ऑटो चालक चढ़ा पुलिस के हत्थे

परिचित महिला को बंधक बनाकर किया था दुष्कर्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छोला मंदिर पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी आटो चालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पिछले दिनों एक महिला को कमरे में बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। घटना के बाद वह मौके से भाग निकला था, जिसे पुलिस ने दबोच लिया है। जानकारी के अनुसार टीला जमालपुरा निवासी 32 वर्षीय महिला पूड़ी बनाने का काम करती है।

बीती आठ नवंबर को दोपहर करीब तीन बजे वह काम से घर लौट रही थी, तभी रास्ते में उसे परिचित साजिद खान मिल गया। साजिद आटो चलाता है। उसने महिला से बोला कि अपनी मां से मिलवाना चाहता है। परिचित होने के कारण महिला उसके साथ आटो में बैठकर चली गई।

साजिद महिला को अपने घर लेकर पहुंचा, लेकिन वहां उसकी मां नहीं थी। महिला ने जब मां के बारे में पूछा तो बताया कि वह सामान लेने के लिए बाहर गई हैं। उसके बाद साजिद ने दरवाजा बंद कर लिया और महिला के साथ जबरन दुष्कर्म किया।

इस दौरान महिला विरोध किया तो उसके साथ जमकर मारपीट भी की। रात करीब नौ बजे महिला ने के शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे तो साजिद ने महिला को घर से जाने दिया और खुद भी मौके से भाग निकला। बाद में पीड़िता ने थाने जाकर उसके खिलाफ केस दर्ज करवाया था। पुलिस टीम ने आरोपी को दबोचा आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की एक विशेष टीम लगाई गई थी।

टीम ने लगातार उस पर नजर रखी, तभी सूचना मिली कि आरोपी अपने घर आया हुआ है। उसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। आरोपी को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी सुरेशचंद्र नागर, एसआई शिवकुमार द्विवेदी, आरक्षक मंदीप जाट, लक्ष्मण और अनिल रावत की सराहनी भूमिका रही।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022